dinbandhunews.com | dinbandhunews.com/epaper | Twiter.com | facebook.com | Instragramcom

दैनिक
दीन बन्धु
राजधानी का अखबार

RNI.NO. MPHIN/2012/42537
भोपाल, शनिवार
14.06.2025
वर्ष : 13
अंक : 179
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1/-
युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082

कोरोना का कहर जारी, इंदौर में 52 वर्षीय महिला की मौत...

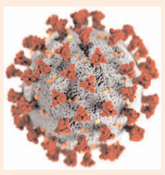

इंदौर। शहर में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही मौत का आंकड़ा भी बढ़ते जा रहा है। कोरोना पॉजिटिव रतलाम निवासी 52 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले 40 दिनों में तीन कोरोना मरीजों की मौत हो चुकी है। महिला को सांस लेने में समस्या के बाद आठ जून को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद 10 जून को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उसे एमआरटीबी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया था। यहां 11 जून को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने बताया कि महिला ब्रोंकाइटिस, उच्च रक्तचाप सहित अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थी। हालांकि अभी स्वास्थ्य विभाग मौत का कारण कोरोना नहीं मान रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के मरीज आ रहे हैं, पर मौजूदा वैरिएंट पहले वाले से ज्यादा खतरनाक नहीं हैं। अधिकांश मरीजों में हल्के लक्षण होते हैं और वे होम आइसोलेशन में ठीक हो जाते हैं। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गर्भावस्था या गंभीर बीमारियों से पीड़ित सतर्क रहें।

अहमदाबाद विमान हादसा : 270 शव बरामद, 7 की पहचान हुई

ब्लैक बॉक्स मिला, इसका डेटा बताएगा क्यों हुआ प्लेन क्रैश

अहमदाबाद ■ एजेंसी

अहमदाबाद में एअर इंडिया फ्लाइट171 हादसे के एक दिन बाद शुक्रवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने ब्लैक बॉक्स को खोज लिया है। यह हॉस्टल की छत पर मिला। इसके जरिए पता चल सकेगा कि क्रैश होने के पहले आखिरी पलों में क्या हुआ था।एअर इंडिया की फ्लाइट में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग मौजूद थे। इसमें से एक यात्री की जान बच गई। मरने वालों में राजस्थान से 13, एमपी, हरियाणा और बिहार के एक-एक लोग शामिल हैं। उधर, पूर्व सीएम रूपाणी के शव की पहचान भी अब तक नहीं हो पाई है। मृतकों की पहचान के लिए उनके परिजन के DNA टेस्ट लिए जा रहे हैं। रेक्स्यू टीम ने 270 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। इनमें से 7 की बॉडी को DNA टेस्ट के बाद परिजन को सौंप दी गई है। 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे के वक्त हॉस्टल में 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। एअर इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर कैंपबेल विल्सन ने अहमदाबाद से बयान जारी करते हुए कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। हम सभी एअर इंडिया परिवार के लोग इस नुकसान से बेहद आहत हैं।

प्लेन क्रैश साइट पर 10 मिनट पीएम मोदी अस्पताल में घायलों का हालचाल जाना

अहमदाबाद प्लेन हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई।इसके बाद रमेश ने ष्ठष्ठ न्यूज से बातचीत में कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ।

डीजीसीए बोला-हर उड़ान से पहले बोइंग 787 की जांच जरूरी

विमानन नियामक डीजीसीए ने शुक्रवार को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दिया। यह कदम अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के एक दिन बाद उठाया गया है, जिसमें 241 लोगों की मौत हो गई थी।टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 विमान हैं। विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एअर इंडिया को निर्देश दिया है कि वह तत्काल प्रभाव से अपने जेनएक्स इंजन से लैस बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों पर अतिरिक्त रखरखाव (मेंटनेंस) कार्य करे। ये कार्य डीजीसीए के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वय से किए जाएंगे। इसके अलावा, डीजीसीए ने आदेश दिया है कि विमान के कैबिन की हवा से जुड़ी मशीनों, इंजन को नियंत्रित करने वाली इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों, ईंधन से चलने वाले इंजन के हिस्से और तेल से जुड़ी प्रणाली की अच्छी तरह जांच की जाए।

रमेश ने कहा- मुझे विश्वास नहीं होता, मैं कैसे जिंदा बचा

सवाल : हादसा कैसे हुआ? **जवाब :** सब कुछ मेरे सामने हुआ। मुझे पता नहीं कैसे यह हुआ। मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। थोड़े वक्त के लिए लगा था कि मैं भी मरने वाला हूं। मेरी आंख खुली तो लगा कि मैं जिंदा हूं। मैंने सोचा मैं यहां से निकल सकता हूं और मैं निकल गया। सवाल- फ्लाइट के टेक ऑफ होते ही क्या हुआ? जवाब- टेक ऑफ होते ही पांच-दस सेकेंड के अंदर लगा कि स्टाप हो गया हो है। बाद में ग्रीन और व्हाइट लाइट ऑन हो गई। फिर जैसे ही स्पीड बढ़ाई। उसी समय गिर गया और धमाका हो गया। सवाल- जब फ्लाइट हॉस्टल पर गिरी तभी आप बाहर निकले थे।

पचमढ़ी प्रशिक्षण वर्ग का आज अमित शाह करेंगे उद्घाटन

प्रशिक्षण में तीनों दिन रहेंगे सीएम, रक्षा मंत्री करेंगे समापन

पचमढ़ी ■ ब्यूरो

पचमढ़ी में भारतीय जनता पार्टी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से शुरू हो रहा है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज दोपहर 3 बजे करेंगे, जबकि समापन 16 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि यह पार्टी का नियमित प्रशिक्षण शिविर है, जिसमें सांसद, विधायक, मंत्री और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। कुल करीब 201 प्रतिनिधि इस शिविर में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मप्र सरकार के सभी मंत्री पूरे समय मौजूद रहेंगे।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ ही केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, सीआर पाटिल, शिवराज सिंह चौहान, सावित्री ठाकुर, डीडी उईके और एल मुरुगन सहित सभी कैबिनेट मंत्री उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, महेन्द्र सिंह और शिवप्रकाश भी विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन देंगे। वीडी शर्मा ने बताया- इस वर्ग में सभी सांसद विधायक एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे। वर्ग में सैद्धांतिक, व्यावहारिक, कई विषयों पर सत्र होंगे। भाजपा किस तरह से देश में काम कर रही है। संगठन तंत्र की मजबूती के साथ हम कहते हैं कि भाजपा संगठन तंत्र के आधार पर काम करने वाला विशिष्ट दल है।शिविर स्थल पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों की सेवा और सुशासन की उपलब्धियां दिखाई जाएंगी। इसके साथ ही जनसंघ से लेकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर वर्तमान तक पार्टी की यात्रा को भी दिखाया जाएगा। 13 जून की रात तक सभी प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद और मंत्री पचमढ़ी पहुंच जाएंगे। उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनसंघ से लेकर भाजपा की विकास यात्रा के बारे में व्याख्यान देंगे। अमित शाह के साथ मंच पर सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा

सत्र के दौरान मोबाइल के उपयोग की मनाही

प्रशिक्षण शिविर में विधायकों, सांसदों को मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षण स्थल पर सभी विधायक, सांसद 13 जून की रात तक पहुंच जाएंगे। ट्रेनिंग कैम्प में प्रतिभागियों के मोबाइल उनके नाम के स्टिकर लगाकर साइलेंट मोड पर एक जगह रख दिए जाएंगे। सत्रों के बाद ब्रेक के दौरान प्रशिक्षणार्थी विधायक, सांसद अपने मोबाइल पर बात कर सकेंगे। प्रशिक्षण वर्ग में मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को अलग-अलग सत्रों में पब्लिक डीलिंग, मोबाइल मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट से लेकर पार्टी की रीति-नीति और सफरनामे की जानकारी दी जाएगी। विधायक-सांसदों को सुबह 6:00 बजे जागना होगा। प्रशिक्षण स्थल पर सुबह 7:00 से 8:00 के बीच योग और प्रार्थना कराई जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

धुबरी में सांप्रदायिक तनाव पर सीएम हिमंत बिस्वा सख्त, उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को धुबरी जिले में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर सख्त रुख अपनाया. बांग्लादेश की सीमा से सटे इस जिले में हालिया सांप्रदायिक घटनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री ने ऐलान

किया कि अशांति फैलाने वालों पर देखते ही गोली मारने के आदेश लागू रहेंगे. मुख्यमंत्री ने धुबरी दौरे के दौरान कहा, जैसे ही मैं गुवाहाटी पहुंचूंगा, आदेश जारी कर दिया जाएगा. रात में बाहर घूमने या पत्थरबाजी करने वालों की तत्काल गिरफ्तारी की जाएगी. धुबरी में एक मंदिर के सामने बीते सप्ताह गाय का सिर मिलने के बाद तनाव फैल गया था. बकरीद के एक दिन बाद यह घटना सामने आई, जिसके बाद सोमवार को क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई थी. मंगलवार को प्रतिबंध हटाया गया. अगले दिन एक और ऐसी ही घटना और पत्थरबाजी ने हालात को और गंभीर बना दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नबीन बांग्ला' नामक एक संगठन ने बकरीद से पहले भड़काऊ पोस्टर लगाए थे. इनमें धुबरी को बांग्लादेश में मिलाने की बात कही गई थी.

लुधियाना उपचुनाव से तय होगा केजरीवाल का भविष्य, आप की जीत से खुलेगा राज्यसभा का दरवाजा

लुधियाना। पंजाब की लुधियाना विधानसभा सीट पर बुधवार को यानी 19 जून को वोटिंग होनी है. लुधियाना उपचुनाव को 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा के चुनाव का सेमीफाइल माना जा रहा. यह उपचुनाव आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की किस्मत का

ही फैसला नहीं करेगी बल्कि अरविंद केजरीवाल के सियासी भविष्य का भी निर्णय करेगा. इसके चलते ही केजरीवाल लुधियाना में संजीव अरोड़ा को जिताने के लिए दिन रात एक किए हुए हैं. आम आदमी पार्टी के कैंडिडेट संजीव अरोड़ा उपचुनाव जीतते हैं, तभी अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा जाने का दरवाजा खुल सकेगा, नहीं तो चार साल तक उन्हें राजनीतिक वनवास झेलना होगा. यही वजह है कि अरविंद केजरीवाल ने इन दिनों संजीव अरोड़ा को उपचुनाव जिताने के लिए पंजाब में डेरा जमा रखा है और उनकी जीत पर मंत्री बनाने की गारंटी लोगों को दे रहे हैं. ऐसे में देखना है कि केजरीवाल की किस्मत लुधियाना से तय होती है कि नहीं?

हाईवोल्टेज लाइन से टकराई सीढ़ी, 3 की मौत, 3 झुलसे

नरसिंहपुर. नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में हाईवोल्टेज करंट की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन झुलस गए। शवों से धुआं निकल रहा था। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे श्री पैलेस गार्डन के बाहर हुआ। गाडरवाड़ा थाना प्रभारी

विक्रम रजक के मुताबिक, मैरिज गार्डन के गेट पर वहीं के कर्मचारी बड़ी सीढ़ी को धक्का देकर मेन रोड की तरफ ला रहे थे, तभी गेट के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन से सीढ़ी टकरा गई। इसमें छह लोग झुलसे हैं। तीन की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। बाकी तीन गंभीर रूप से घायल हैं। एक को नरसिंहपुर रेफर किया गया है। दो मृतक गाडरवाड़ा और एक इंदौर का रहने वाला था। श्री पैलेस मैरिज गार्डन प्रकाश काबरा का है, जो गाडरवाड़ा के बड़े व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश है और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने हादसे को लेकर पीड़ित परिवारों के लिए दुख जताया है। सीएम ऑफिस ने ट्वीट कर मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार रुपए राहत राशि देने की घोषणा की है।

इजराइल की ईरान पर एयर स्ट्राइक, 78 लोगों की मौत

6 परमाणु वैज्ञानिक और 4 मिलिट्री कमांडर मारे गए; नेतन्याहू ने मोदी से बात की

गाजा ■ एजेंसी

इजराइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से ईरान के 6 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 78 लोग मारे गए और 329 घायल हो गए। मरने वालों में ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक और टॉप 4 मिलिट्री कमांडर समेत 20 सैन्य अफसर हैं। इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने दोपहर में पलटवार किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इजराइली सेना (ढ्ढष्ठस्न) ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर मिडिल ईस्ट के हालात की जानकारी दी। नेतन्याहू जल्द ट्रम्प और पुतिन से बात करेंगे।इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

इराक ने इजराइल के खिलाफ UNSC में शिकायत की

इराक ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्रस्ष्ट) में इजराइल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बगदाद के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। शिकायत में इराक ने कहा है कि ईरान पर बड़े हमले के दौरान इजराइल ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इराकी मंत्रालय ने इसे इराक की संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन बताया है और सुरक्षा परिषद से अपील की कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और आगे ऐसी घटनाओं को दोहराए जाने से रोके।

ट्रंप ने ईरान को दी धमकी : अगर परमाणु डील नहीं की तो और भयानक हमले होंगे

न्यूयार्क। इस्राइल की तरफ से किए गए भीषण ड्रोन हमले में ईरान को भारी नुकसान हुआ है। इस्राइली वायु सेना ने अब तक ईरान में पांच बार हमले किए हैं। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरानी को फिर से परमाणु समझौता करने को कहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान से उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर वाशिंगटन के साथ समझौता करने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि इस्राइल के हमले और भी बुरे होंगे।

शुक्रवार को हुए हमलों के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, अब भी समय है कि इस रक्तपात को रोका जा सकता है। अगली हमले की योजना पहले से ही बनाई जा चुकी है और वे पहले से कहीं ज्यादा क्रूर होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान को सौदा करने के लिए कई मौके दिए। मैंने उनसे कहा, सबसे सख्त शब्दों में, बस करो, लेकिन चाहे उन्होंने कितनी भी कोशिश की हो, चाहे वे कितने भी करीब क्यों न पहुंच गए हों, वे इसे पूरा नहीं कर पाए... पहले ही बहुत मौतें और विनाश हो चुका है।

सिविल अस्पताल में अपनों को तलाश रहे लोग, ट्रॉमा सेंटर-पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर लगी लाइनें

अहमदाबाद ■ एजेंसी

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचा है। मारे गए 241 लोगों में 169 भारतीय, 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 MBBS छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर है।सिविल अस्पताल में एक के बाद एक शवों से भरी एंबुलेंस सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में भेजी जा रही है। अब तक 270 शवों के पोस्टमॉर्टम किए जा चुके हैं। गुजरात सरकार ने मृतकों और घायलों के परिजन की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9978405304 और 079 232 51900 जारी किए हैं।

शिलांग मर्डर केस : पिंडदान करने उज्जैन पहुंचा राजा का परिवार, सोनम का भाई रहा मौजूद

उज्जैन ■ ब्यूरो

शिलांग मर्डर केस मामले में मृतक राजा का परिवार शुक्रवार को उज्जैन पहुंचा, उनके साथ सोनम का भाई गोविंद भी मौजूद रहा. परिवार मृतक राजा के 10वें के कार्यक्रम के लिए क्षिप्रा के सिद्धवट घाट पर तपर्ण पूजन करवाने पहुंचा था. यहां पंडित राजेश त्रिवेदी ने पूजन सम्पन्न करवाया और परिवार इंदौर लौट गया. राजा के भाई ने कहा आज राजा की डेड बॉडी मिलने के बाद 10 दिन हो गए परंपरा अनुसार 10वें दिन पिंड दान होता है, वहीं प्रक्रिया पूरी करने धर्म नगरी में आए हैं. सोनम के भाई ने साथ चलने की इच्छा जताई थी तो साथ आए हैं. सोनम के भाई गोविंद ने कहा, मेरी बहन सोनम गुस्सेल और जिद्दी स्वभाव की थी. उसने इन्दौर सहित मध्य प्रदेश का नाम बदनाम किया है. उसने हत्या की है, तो सजा मिलनी चाहिए. हम उसके लिए वकील भी नहीं करेंगे.

मंत्री विश्वास सारंग ने ली सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक और दिए निर्देश

केन्द्र सरकार की गाइड-लाइन का तय समय-सीमा में हो प्रभावी

भोपाल ■ ब्यूरो

सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित ÷सहकार से समृद्धि'' के विज़न के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री सारंग ने आगामी 20 जून को भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित उच्च स्तरीय बैठक के लिए राज्य स्तर पर की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री सारंग शुक्रवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल भी बैठक में उपस्थित थे। मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की सिद्धि के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की हर योजना को हर गाँव, हर पंचायत, हर किसान और हर सहकारी संस्था तक पूरी प्रतिबद्धता के साथ शत-प्रतिशत क्रियान्वयन तय समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ हो।

मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश के पैक्स की वर्तमान स्थिति, पैक्स अंतर्गत की जा रही गतिविधियाँ, बी-पैक्स को एम-पैक्स के रूप में डेवलप करना, प्रदेश के सहकारी बैंकों की वर्तमान स्थिति एवं सुदृढ़ीकरण पर चर्चा, प्रदेश के पैक्स द्वारा माइक्रो एटीएम के संचालन एवं विस्तार, पैक्स सोसाइटी द्वारा खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था की समीक्षा, पैक्स कंप्यूटरीकरण की जिलेवार समीक्षा, प्रत्येक पंचायत में पैक्स, प्राथमिक डेयरी एवं मत्स्य पालन सहकारी समितियों का गठन एवं संचालन, पैक्स के माध्यम से सीएससी सेवाएं, जन-औषधि केन्द्र का संचालन, भारतीय बीज सहकारी समिति, नई राष्ट्रीय सहकारी जैविक समिति, एफपीओ का गठन, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष पर अभी तक किए गए कार्य एवं भविष्य की कार्य-योजना सहित सीपीपीपी द्वारा किये गये कार्य की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

ग्वालियर में दीवार ढही, 3 की मौत

गुना, शिवपुरी समेत प्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश

भोपाल ■ ब्यूरो

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री में दो-तीन दिन ही बाकी है। इससे पहले प्री-मानसून एक्टिविटी तेज हो गई है। शुक्रवार को गुना, शिवपुरी, अशोकनगर में तेज बारिश हुई। गुना में एक घंटे पानी गिरा। यहां बाउंड्रीवाल गिरने से वाहनों को नुकसान पहुंचा। बिजली के पोल भी गिर गए। मुरैना में तेज आंधी-बारिश से कई जगह पेड़ उखड़ गए। इससे नेशनल हाईवे पर जाम लग गया।इधर, इंदौर और खंडवा समेत कुछ और जिलों में भी पानी गिरा। ग्वालियर में आंधी के चलते दो मंजिला मकान की दीवार पास के प्लॉट में बने टीन शेड के ऊपर गिर गई। इसके यहां बैठे 5 लोग मलबे में दब गए। इनमें तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं 2 लोग घायल हो गए।रतलाम में आंधी के चलते गौतमपुरा बड़नगर रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिर गया। इससे महू से रतलाम आने वाली पैसेंजर ट्रेन को गौतमपुरा में रोकना पड़ा। पेड़ गिरने से ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट लाइन) लाइन भी टूट गई।मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में 26 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें छिंदवाड़ा, बालाघाट, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, जबलपुर, छतरपुर, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, बुरहानपुर, भोपाल, विदिशा, अशोकनगर, सीहोर, बड़वानी, रतलाम, मंदसौर, गुना, खरगोन, उज्जैन अलीराजपुर, धार और राजगढ़ शामिल हैं।

मुरैना

ब्रीफ न्यूज़

आतंकियों से भर चुकी है हाई सिक्योरिटी सेल भोपाल के सेंट्रल जेल में 12 नई हाई सिक्योरिटी सेल बनकर तैयार

भोपाल। भोपाल सेंट्रल जेल की हाई सिक्योरिटी सेल आतंकियों से भर चुकी हैं। आतंकियों की तादाद यहां इतनी हो चुकी है कि सेल छोटी पडे लगी हैं। अब जेल में 12 नई हाई सिक्योरिटी सेल का निर्माण कराया गया है। जिसके लिए 1.20 करोड़ का बजट पारित हुआ था। करीब दो साल में यह हाई सिक्योरिटी सेल बनकर तैयार हुई हैं। जल्द ही इनमें कुख्यात आतंकियों को शिफ्ट किया जाएगा। जेल सुपरीटैंडेंट राकेश भांगरे ने बताया कि भोपाल सेंट्रल जेल में फिलहाल 69 आतंकी बंद हैं। जो अलग-अलग संगठनों से ताल्लुक रखते हैं। इसमें स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के 23, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 21 हिज्ब उत तहरीर के 17, रेएमबी के 4 और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के 4 आतंकी बंद हैं। जेल में हाई सिक्योरिटी सेल की क्षमता 58 हैं। वर्तमान में 69 आतंकियों को यहां रखा गया है। जल्द नई हाई सिक्योरिटी सेल में भी आतंकियों को शिफ्ट किया जाएगा। हर रोज 3.30 घंटे निकाला जाता है बाहर सेंट्रल जेल में बंद आतंकियों को हर रोज साढ़े तीन घंटे के लिए हाई सिक्योरिटी सेल से बाहर निकाला जाता है। जिससे वह अपने पर्सनल काम जैसे कपड़े सुखाना, धूप लेना, टहलना आदि कर सकें। इन आतंकियों को बाहर निकलने के बाद निगरानी में रखा जाता है। हर एक आतंकी पर नजरें रखने की जिम्मेदारी 2 प्रहरियों की होती है।

संगठन सृजन की वजह से टलेगा युवा कांग्रेस चुनाव 20 जून को दिल्ली में राहुल गांधी पर्यवेक्षकों की लेंगे बैठक

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस में इन दिनों संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत केंद्रीय एवं प्रदेश के पर्यवेक्षक अलग-अलग जिलों के प्रवास पर हैं। इस बीच युवा कांग्रेस के चुनाव की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। ऐसे में संगठन सृजन का काम देख रहे केंद्रीय पर्यवेक्षकों के समक्ष यह मांग उठ रही है कि युवा कांग्रेस के चुनाव को आगे बढ़ा दिया था। सभी पर्यवेक्षक 20 जून को दिल्ली में होने वाली संगठन सृजन की समीक्षा बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं अन्य के सामने युवा कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम आगे बढ़ाने की बात रख सकते हैं। मप्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने बताया कि संगठन सृजन के बीच युवा कांग्रेस चुनाव उचित नहीं है। इसे टालने के लिए पार्टी नेतृत्व से मांग की है। संगठन सृजन कार्यक्रम के साथ ही यदि युवा कांग्रेस के चुनाव होते हैं तो फिर दोनों कार्यक्रम प्रभावित होने की संभावना है। पार्टी नेताओं की रुचि युवा कांग्रेस के चुनाव में भी है। सभी बड़े नेता अपने-अपने चहेतों को युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनवाने के लिए गोटियां फिट कर चुके हैं।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में डिप्टी रेंजर निलंबित वनरक्षक से मारपीट का है आरोप

भोपाल। नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में डिप्टी रेंजर विष्णुकांत त्रिपाठी को वनरक्षक से मारपीट और अभद्रता के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। एसटीआर के प्रभारी डिप्टी डायरेक्टर मयंक गुर्जर ने शुक्रवार को उनका सस्पेंशन ऑर्डर जारी किया। त्रिपाठी देनवा बफर रेंज के देलाखारी में पदस्थ थे। अब उन्हें बागड़ा बफर रेंज ऑफिस में अटैच किया गया है। यह कार्रवाई वनरक्षक प्रवीण रघुवंशी की शिकायत के आधार पर की गई है।
निलंबन आदेश सामने आने के बाद डिप्टी रेंजर विष्णुकांत त्रिपाठी ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उल्टे वनरक्षक प्रवीण रघुवंशी पर ही गंभीर आरोप लगाए। त्रिपाठी के अनुसार, रघुवंशी की बीट सीताडोंगरी में अवैध कटाई हुई थी। त्रिपाठी ने कहा कि 4 जून को जब मैं जंगल में गया, तब सांझ, करी और सागौन जैसे पेड़ों के कटे हुए तने सामने मिले। अगले दिन 5 जून को मैं, बीट गार्ड रघुवंशी और ड्राइवर ललित के साथ रेंज में बन रहे रपटा निर्माण को देखने गया। वहां मैंने एक चौकीदार को कुछ निर्देश दिए और रघुवंशी से अवैध कटाई को लेकर सवाल किए। इसी दौरान उसने मुझे धक्का दिया और झूमाझटकी की। 50 हजार रुपए उधार दिए थे डिप्टी रेंजर ने कहा कि उन्होंने रघुवंशी को बाइक खरीदने के लिए 50 हजार रुपए उधार दिए थे। अब वह पैसे नहीं लौटाना चाहता और अवैध कटाई के मामले में बचने के लिए उन पर आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं पंचनामा बनाना चाहता था, लेकिन उसने दो बार रोक दिया और अपने मामा के नाम की धमकी भी दी। बाद में उसने मारपीट की झूठी शिकायत थाने में दी और हाथ में फैक्चर होने की बात कही। एसटीआर प्रबंधन ने इस मामले में फिलहाल डिप्टी रेंजर को निलंबित करते हुए बागड़ा रेंज अटैच किया है। पूरे घटनाक्रम की विभागीय जांच चल रही है। नर्मदापुरम वन मंडल में इससे पहले भी कुछ अधिकारियों के बीच विवाद सामने आते रहे हैं।

छात्राओं से हुई हैवानियत का फरहान ही मास्टरमाइंड

भोपाल लव जिहादः कोर्ट में पेश पुलिस के चालान में खुलासा

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र के कोकता के पास स्थित निजी कॉलेज की छात्राओं को दोस्ती के नाम पर पहचान कर अपने प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने और हिंदू धर्म के खिलाफ अपशब्द कहते हुए ब्लैकमेल कर युवतियों को धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के मामले में भोपाल पुलिस ने पहचान चालान पेश किया है। बागसेवनिया थाना पुलिस ने 12 अप्रैल को बैतूल निवासी दो सगी बहनों की शिकायत पर छोटा चंबल निवासी फरहान खान और साहिल के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में बागसेवनिया थाना पुलिस ने पॉक्सो की विशेष न्यायाधीश नीलम मिश्रा की अदालत में चालान प्रस्तुत कर दिया है। दोनों पीड़िताएं सगी बहनें हैं और बड़ी बहन फरहान के साथ उसी निजी कॉलेज में पढ़ती थी, जबकि छोटी बहन स्कूली छात्रा थी। पहले फरहान ने बड़ी बहन के साथ जहांगीराबाद स्थित उसी कॉलेज के छात्र रहे हामिद के कमरे में दुष्कर्म किया था। इसके बाद साहिल ने भी युवती से दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। फरहान और उसके गिरोह के आरोपी युवतियों को ब्लैकमेल कर बदनामी से बचने धर्मतांतरण करने के लिए दबाव बनाते थे। दरिंदगी से बचने कमरे से भागी बड़ी बहन तो छोटी हो गई शिकार भोपाल पुलिस की ओर से प्रस्तुत चालान में खुलासा हुआ है कि फरहान और साहिल दोनों बारी-बारी से आए दिन कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म करते। उसे इस गिरोह के अन्य आरोपी नबील, अबरार के कमरे में ले जाकर दुष्कर्म करते। पीड़िता जब फरहान और साहिल के बुलावे पर नहीं जाती थी तो आरोपी उसके कमरे में आ जाते थे। चूंकि पीड़िता किराए के कमरे में रहती थी, इसलिए उसे डर था कि यह बात मकान मालिक मेरे परिजनों को न बता दें। एक दिन पीड़िता को साहिल ने दुष्कर्म के इरादे से बुलाया। पीड़िता नहीं गई तो आरोपी उसके अशोका गार्डन स्थित किराये के कमरे में ले गया और वहां दुष्कर्म करने की धमकी देने लगा। पीड़िता दरिंदगी से बचने कमरे में छोटी बहन को छोडकर कुछ घंटे के लिए बाहर निकल गई। इसके बाद साहिल उसके कमरे में पहुंचा तो पीड़िता नहीं मिली। इसके बाद उसने पीड़िता की नाबालिग छोटी बहन से ही दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया।

बड़ी बहन की धमकी देकर फरहान ने की दरिंदगीः चालान में खुलासा हुआ है कि साहिल ने नाबालिग से की गई दरिंदगी का वीडियो फरहान को सौंप दिया। चूंकि फरहान गिरोह का मास्टरमाइंड है। उसकी शर्त रहती थी कि किसी भी लडकी दुष्कर्म, सेक्सुअल असाल्ट करते समय बनाया गया वीडियो उसके पास ही रहेगा। इस केस में भी ऐसा हुआ। इसके बाद फरहान ने नाबालिग का अश्लील वीडियो दिखाकर उसे ब्लैकमेल किया कि अगर मेरे साथ संबंध नहीं बनाओगी तो यह वीडियो तुम्हारी बड़ी बहन, माता-पिता को भेजकर जिंदगी नर्क बना देंगे। इसके बाद पीड़िता से दुष्कर्म किया। बड़ी बहन को कुछ महीने में पता चला तो उसने अपनी बहन को पढ? के लिए इंदौर भेज दिया। फरहान इंदौर पहुंचकर पीड़िता के कमरे में हंगामा किया था। इंदौर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, इसके बाद पीड़िता भोपाल आकर बड़ी बहन के साथ बागसेवनिया थाने पहुंची थी और दोनों बहनों ने दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, पॉक्सो और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कराया था। इस प्रकरण के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सका है।

आधा सैकड़ा से अधिक को बनाया गवाहः जांच के लिए बनाई गई भोपाल पुलिस की एसआईटी द्वारा प्रस्तुत 240 पेज के चालान में 57 गवाहों को शामिल किया गया है। चालन में पीड़िताओं के बयानों के साथ मेडिकल रिपोर्ट, पीड़ितों के अश्लील वीडियो जो फरहान के मोबाइल में मिले हैं, उनकी फॉरेंसिक रिपोर्ट सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि लव जिहाद मामले में पुलिस अब तक छह प्रकरण दर्ज कर चुकी है। छह आरोपियों में कोलकाता निवासी अबरार को छोडकर पांच आरोपी गिरफ्तार हैं और वर्तमान में जेल में हैं। फरहान के साथ साहिल, साद, नबील और अली खान गिरफ्तार हैं।

पुलिस ने अदालत में पेश किया थाः जानकारी के मुताबिक रायसेन रोड स्थित एक प्राइवेट कॉलेज में पढे वाली दो सगी बहनों ने आरोपी फरहान खान और उसके मित्र साहिल खान के खिलाफ पुलिस थाना बाग सेवनिया में 12 अप्रैल को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि फरहान ने धमकाकर, मारपीट कर मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं मुस्लिम बनने के लिए कई बार दबाव बनाया। मैं उससे बहुत परेशान हो गई हूं।

अशोका गार्डन और जहांगीराबाद पुलिस ने भी केस दर्ज कियाः मामला सामने आने के बाद आरोपी फरहान से पीड़िता अन्य छात्राओं ने भी उसके खिलाफ पुलिस थाना अशोका गार्डन और पुलिस थाना जहांगीराबाद में शिकायतें दर्ज कराई थीं। मामले के तूल पकड? के बाद पुलिस के आला अफसरों ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। पुलिस ने फरहान और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अप्रैल को कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए पुलिस रिमांड पर लिया था।

कोर्ट में हुई थी पिटाईः पुलिस द्वारा आरोपियों के चेहरों को भगवा कपड़ा में छुपाकर कोर्ट में पेश किए जाने से आक्रोशित वकीलों ने आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी थी। कोर्ट परिसर में रात के 9 बजे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा था। 3 मई को अशोका गार्डन पुलिस ने आरोपी फरहान को ग्राम सरवर रातीबढ़ में एनकाउंटर में दायें पैर में गोली मार दी थी।

एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला का आयोजन

मध्य भारत में न्यूरो सर्जिकल उत्कृष्टता को नई ऊंचाई

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में संस्थान निरंतर अकादमिक उत्कृष्टता और शल्य चिकित्सा नवाचार के क्षेत्र में मध्य भारत का मार्गदर्शन कर रहा है। इसी कड़ी में, एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी विभाग एवं एनाटॉमी विभाग द्वारा भोपाल की न्यूरो एसोसिएशन के सहयोग से आईएसबीएम स्कल बेस कोर्स 2025 का आयोजन किया गया है, जो न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और प्रमुख कार्यक्रम है। यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस 13 से 15 जून 2025 तक एम्स भोपाल परिसर में आयोजित की जा रही है, जिसकी शुरूआत आज, 13 जून को हैंड्स-ऑन स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला के साथ हुई। एनाटॉमी विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में कैडेवर आधारित अभ्यास के माध्यम से एंडोस्कोपिक स्कल बेस सर्जरी तकनीकों और माइक्रोवैस्कुलर

एनास्टोमोसिस की उन्नत विधियों पर फोकस किया गया। इस कार्यशाला में देश-विदेश के वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, न्यूरोसर्जनों तथा प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। दिन की शुरूआत विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा लाइव डेमोंस्ट्रेशन से हुई, जिसके बाद प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अभ्यास सत्रों में भाग लिया। यह कार्यशाला 100 से अधिक प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई, जिसमें प्रैक्टिसिंग न्यूरोसर्जन और रेजिडेंट्स दोनों शामिल थे। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ₹एम्स भोपाल को इस उच्च स्तरीय सम्मेलन की मेजबानी पर गर्व है। यह न केवल मध्य भारत की अकादमिक क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को भी प्रोत्साहित करता है। यह कार्यशाला और आगामी सत्र संस्थान की उस प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं, जिसके अंतर्गत हम उन्नत और व्यावहारिक शिक्षण के अवसर उपलब्ध कराते हैं, जिससे चिकित्सकों और रोगियों दोनों को लाभ हो।₹ इस सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन 14 जून 2025 को किया जाएगा, जिसके पश्चात 14 व 15 जून को एक गहन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, केस डिस्कशन, सर्जिकल वीडियो डेमोंस्ट्रेशन एवं कैडेवरिक डिसेक्शन सत्र शामिल होंगे। इस कोर्स में 200 प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य स्कल बेस न्यूरोसर्जरी की समझ को सुदृढ़ करना, सहयोग को बढ़ावा देना तथा उन्नत सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना है। युवा न्यूरोसर्जनों और प्रशिक्षुओं के लिए यह सम्मेलन ज्ञानवर्धन और कौशल विकास का एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है।

भोपाल। श्री राम कालोनी होशंगाबाद रोड स्थित गणेश मंदिर में सात दिवसीय भागवत कथा का विशाल भण्डारे के साथ समापन हुआ, उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश सह संगठन मंत्री एवं भोपाल जिले के महामंत्री दिनेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा अपने माता पिता की स्मृति में कराई जा रही भागवत कथा के समापन के अवसर पर भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, श्री अजय श्रीवास्तव नीलू, सुनील श्रीवास्तव, श्री व्योम खरे, श्री रजनीकांत वर्मा एवं कैलाश सक्सेना संगठन मंत्री श्री सौरभ कुलश्रेष्ठ राजकुमार श्रीवास्तव अनेक गणमान्यजनों ने उपस्थित होकर आरती कर पुण्य लाभ अर्जित किया ।

बिना नोटिस के मैरिज गार्डन सील करने पहुंची पुलिस टीम लौटी खाली हाथ

हलालपुर के मैरिज गार्डन एयरपोर्ट से बहुत ज्यादा दूर

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद देशभर के हवाई अड्डों के आसपास सुरक्षा सतर्कता बढ़ा दी गई है। इस कड़ी में भोपाल एयरपोर्ट अथॉरिटी और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने भोपाल एयरपोर्ट के दस किलोमीटर के दायरे में आने वाले मैरिज गार्डनों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। परंतु इस में कुछ ऐसे मैरिज गार्डन को भी लपेटा जाने लगा जो कि राजा भोज एयरपोर्ट से बहुत ज्यादा दूरी पर है। यह मैरिज गार्डन जो शहर के सुंदरता को बढ़ाने का कार्य करते हैं लोगों के लिए सारी सुविधाएं एक जगह मुहैया करवाते हैं, यह मैरिज गार्डन हलालपुर लालघाटी क्षेत्र के पास स्थित है। प्रशासन का तर्क है कि इन गार्डनों में लेजर बीम या सारपी लाइट्स का उपयोग विमानों की उड़ान में बाधा उत्पन्न कर सकता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। वही मैरिज गार्डन संगठन का कहना है कि हलालपुर स्थित मैरिज गार्डन में लेजर बीम लाइटों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है, यहां तक की लिखित में भी उनसे ले लिया जाता है कि लेजर लाइट गार्डन में प्रतिबंधित है और अगर सड़कों पर डीजे संचालक ऐसी तेज लाइटों का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें वही रोकना चाहिए ना की मैरिज गार्डन पर बिना वजह कोई कार्रवाई करना चाहिए। इसी के साथ यह भी जानना जरूरी है कि आने वाले चार से पांच माह के अंतराल में शादी विवाह के मुहूर्त नहीं है। बिना नोटिस सील करने पहुंची टीम, स्टे ऑर्डर देख वापस लौटा प्रशासन का अमला मामला उस समय विवाद का रूप ले बैठा जब हलालपुर स्थित मैरिज गार्डन को सील करने जिला प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची, लेकिन वही एक गार्डन संचालक ने अधिकारियों से लिखित आदेश मांगे। गार्डन संचालक ने कहा, ₹बिना नोटिस और लिखित आदेश के कोई भी कार्रवाई कानून की अवहेलना है। यदि सील करना है तो पहले दस्तावेज दिखाएं, वरना हम गार्डन सील नहीं होने देंगे। इसके बाद गार्डन संचालक ने स्टे ऑर्डर की कॉपी दिखा दी, जिसे देखते ही प्रशासन और पुलिस अमला लौट गया। हलालपुर स्थित अधिकांश बड़े मैरिज गार्डन के पास कोर्ट के स्टे ऑर्डर की कॉपी और शासन की सभी अनुमतियां प्राप्य है। पुलिस और प्रशासन की संवेदनहीनता उजागर इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिना नोटिस पहुंचना कोई दस्तावेज न दिखाना कानूनी प्रक्रिया का पालन न करना यह सब प्रशासन की तत्काल दिखावे की कार्रवाई को दशार्ता है, जिससे स्पष्ट होता है कि नियमों की आड़ में लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है।

टीला का कुख्यात बदमाश एवं जुआरी बब्बा का हुआ जिला बदर

लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट, छेड़छाड़ समेत 37 गंभीर मामले है दर्ज

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

अपराधों की रोकथाम एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गुंडे, बदमाशों की निरन्तर धरपकड़ एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में थाना टीला क्षेत्र के कुख्यात गुण्डा बदमाश एवं जुआरी अरशद उर्फ बब्बा पिता मोहम्मद इरशाद उम्र 36 साल निवासी म.न. 36 रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने कांग्रेस नगर थाना टीलाजमालपुरा के विरुद्ध न्यायालय पुलिस आयुक्त द्वारा 1 वर्ष के लिए जिला बदर का आदेश पारित किया गया ' उक्त बदमाश अरशद उर्फ बब्बा पिता मोहम्मद इरशाद उम्र 36 साल निवासी म.न. 36 रिलायंस पेट्रोल पम्प के सामने कांग्रेस नगर थाना टीलाजमालपुरा भोपाल के विरुद्ध शहर के विभिन्न थानों में मारपीट, जुआ, सट्टा, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट, छेड़छाड़ इत्यादि गंभीर अपराध समेत कुल 37 मामले दर्ज हैं।

यूपीएस लागू करने की तैयारी में मप्र सरकार

4 लाख 50 हजार पेंसनर्स को मिलेगा लाभ

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

मप्र की मोहन यादव सरकार केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन स्कीम को किसी भी वक्त राज्य में लागू कर सकती है। प्रदेश के अधिकारियों का कहना है कि यूपीएस को लागू करने के लिए सरकार को इसका प्रस्ताव सदन में पटल पर रखना होगा। सरकार जब चाहे तब ये कदम उठा सकती है। प्रदेश के वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने यूपीएस को लेकर शुरूआती तौर पर काम कर लिया है। इस पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए सरकार को 225 करोड़ अतिरिक्त रुपयों की जरूरत होगी। यानी, सरकार को यूपीएस के लिए नेशनल पेंशन स्कीम की राशि से 4.5 फीसदी ज्यादा बजट की व्यवस्था करनी होगी। राज्य सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए इक्विटी लिमिट और फंड मैनेजर जैसे विकल्पों में वृद्धि की है। रिटायरमेंट के बाद लोगों को इनका सीधा लाभ मिलेगा। हालांकि, ये दोनों लाभ बाजार के जोखिम पर निर्भर करेंगे। इस स्कीम में राज्य के उन अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल किया गया है, जिनकी नौकरी साल 2005 में लगी, जबकि, ऑल इंडिया सर्विस के उन अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा जिनकी नौकरी साल 2004 में लगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए एक अप्रैल, 2025 से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू कर चुकी है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) और यूनिफाइड पेंशन स्कीम में से किसी एक को चुनने का फैसला इसी महीने (जून) के अंत तक करना है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एनपीएस में पेंशन फंड में कर्मचारियों के वेतन से 10 प्रतिशत की कटौती की जाती है, जबकि राज्य सरकार द्वारा 14 प्रतिशत राशि जमा की जाती है। यूपीएस लागू होने पर पेंशन फंड में कर्मचारियों के वेतन से पूर्व की तरह 10 प्रतिशत राशि ही काटी जाएगी, जबकि सरकार का योगदान 14 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगा, लेकिन सरकार को एक कॉर्पस फंड बनाना जिसमें 8.5 प्रतिशत राशि अलग से जमा करेगी। यानी यूपीएस लागू होने पर सरकार को पेंशन फंड में 4.5 प्रतिशत अधिक योगदान देना होगा। मप्र सरकार हर महीने कर्मचारियों के वेतन-भत्तों पर करीब 5 हजार करोड़ रुपए खर्च करती है। एनपीएस की तुलना में यूपीएस में 4.5 प्रतिशत अधिक राशि जमा करने पर सरकारी खजाने पर हर महीने करीब 225 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

मप्र सरकार ने भी बनाई कमेटीः मप्र सरकार भी एक अप्रैल, 2005 को या उसके बाद नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में आईएएस अफसरों की कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी गत 29 अप्रैल को गठित की गई थी, लेकिन अब तक कमेटी की एक भी बैठक नहीं हुई है। यही वजह है कि सरकार यूपीएस लागू करने को लेकर आगे कोई निर्णय नहीं ले पाई है। अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव वित्त लोकेश जाटव, संचालक बजट तन्वी सुन्द्रियाल, उप सचिव जीएडी अजय कटेसरिया समिति के सदस्य और संचालक पेंशन जेके शर्मा सदस्य सचिव हैं। एनपीएस के अंतर्गत आने वाले जो लोग संशोधित योजना का विकल्प चुनते हैं, उन्हें उनके अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर गारंटीशुदा पेंशन और मुद्रास्फीति में वृद्धि प्राप्त होगी। कर्मचारी की मृत्यु पर कर्मचारी की पेंशन का 60 प्रतिशत उसके परिजनों को दिया जाएगा (पारिवारिक पेंशन)। इसके लागू होने पर मप्र में करीब पांच लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस का लाभ मिलेगा।

जमीनी काम पूराः राज्य के वित्त विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने जमीनी काम कर लिया है और सरकार को 2024-25 के लिए मप्र में एनपीएस के लिए अनुमानित राशि के लिए अतिरिक्त 225 करोड़ रुपये या 4.5 प्रतिशत अधिक खर्च करना होगा, जो लगभग 5000 करोड़ रुपये है। हालांकि, यूपीएस बाजार जोखिम पर आधारित होगा। इसमें 2005 के बाद के राज्य सेवाओं के अधिकारी-कर्मचारी और 2004 के बाद के अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारी शामिल होंगे। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए मौजूदा एनपीएस के विकल्प के रूप में यूपीएस लॉन्च किया। अप्रैल 2025 में कार्यान्वयन के लिए निर्धारित, यह नई योजना 2004 के बाद शामिल हुए कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प प्रस्तुत करती है। प्रदेश में वर्तमान में करीब 4 लाख 50 हजार कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम के दायरे में हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को मोमबाी जलाकर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। गुजरात में विमान हादसे ने हृदय को झकझोर कर दिया, इस हादसे में देश के अन्य रा'यों के नागरिकों व विदेशी नागरिकों का विमान हादसे में दिवंगत हुए नागरिकों को मोमबाी जलाकर श्रद्धांजल विधायक आरिफ मसूद ने डीबी माल के सामने दी बड़ी संया में कांग्रेस कार्यकर्ता थे। इस अवसर पर विधायक आरिफ मसूद ने कहा सरकार को 11 साल हो गए ओर वाहनों का नियम 10 साल का हे ओर विमान पन्द्रह पन्द्रह साल पुराने चला रहे हे में सरकार को ध्यान दिलाना चाहूंगा 1992 में विमान हादसा हुआ था ओर उस में कोई जनहानि नहीं हुई थी लेकिन नेतीकता के आधार पर उड्डियान मंत्री माधो राव सिंधिया जी ने इस्तीफा दिया था अब सरकार को भी सोचना चाहिए एसी घटनाओं की ना हो जब अहमदाबाद से इस घटना में मृतको की इतने बड़े पे माने पर शव निकलेगी देश समसार ना हो एसी घटनाओं की पुनरावृाि ना हो।

मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने जारी किया आदेश, मांगे नाम

आईजी, डीआईजी, एसपी के कार्यालयों में लंबे समय से जमे कर्मचारी हटाये जायेंगे

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मप्र में दो दिन पहले 11 जून को डीजीपी ने आदेश दिया था कि प्रदेश के थाना स्तर पर पुलिस की कार्यप्रणाली प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी हो इसके लिये आवश्यक है कि लम्बी अवधि से थानों में पदस्थ कर्मचारियों को समय समय पर स्थानांतरित किया जाए, मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक यानि छत्वक्कने पुलिस थानों में लंबे समय से जमे आरक्षक, हवलदार और उप निरीक्षकों को हटाने का अर्थात ट्रांसफर करने का आदेश दो दिन पहले दिया था अब उन्होंने पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों में लंबे समय से जमे कर्मचारियों को भी हटाने के निर्देश दिए हैं।

विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) आदर्श कटियार ने पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना द्वारा अनुमोदित एक आदेश जारी किया है। आदेश प्रदेश के समस्त जोनल अतिरिक्त महानिरीक्षक/ पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस आयुक्त (इन्दौर / भोपाल) समस्त रेंज उप पुलिस महानिरीक्षक/समस्त अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (इन्दौर/भोपाल) और समस्त पुलिस अधीक्षक (रेल सहित)/ समस्त पुलिस उपायुक्त (इन्दौर/भोपाल) को संबोधित कर दिया गया है।

आदेश में कहा गया है कि प्रायः यह देखने में आया है कि मध्य प्रदेश पुलिस की इकाई कार्यालय जिनमें पुलिस महानिरीक्षक जोन कार्यालय/ उप महानिरीक्षक रेंज कार्यालय/पुलिस अधीक्षक कार्यालय/अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय/ एसडीओपी कार्यालय में कुछ कर्मचारीगण जैसे रीडर/स्टेनो एवं उनके सहायक कर्मचारी लंबे समय से एक ही कार्यालय में पदस्थ होकर कार्य कर रहे है।

बिजली कटौती पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को घेरा, ऊर्जा मंत्री के टेंट में सोने पर कसा तंज छत्वक्कने दिए ये आदेश लंबी समय से एक ही स्थान पर कार्य करने से निहित स्वार्थ की सभावना से इंकार नहीं किया जा सकता जिससे न सिर्फ पुलिस कार्यप्रणाली की पारदर्शिता प्रभावित होती है, साथ ही आमजन को शिकायत के अवसर भी प्राप्त होते हैं। इसलिए जरूरी है कि लंबी अवधि से एक ही कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों की पदस्थापना में समय समय पर परिवर्तन किया जाए जिससे न केवल अधिकारी/कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी बल्कि शिकायत की संभावना भी कम होकर पुलिस की निष्पक्ष छवि प्रदर्शित होगी।

रीडर/स्टेनो एवं उनके सहायक कर्मचारियों के सेवाकाल की मांगी जानकारी

अतः यह निर्देशित किया जाता है कि आपके कार्यालय में लंबे समय से पदस्थ कर्मचारीगण जैसे रीडर/स्टेनो एवं उनके सहायक कर्मचारियों के सेवाकाल का परीक्षण कर यथासभव अन्यत्र पदस्थ कर कृत कार्यवाही से इस कार्यालय को अवगत कराएँ

पुलिस थानों में पदस्थ आरक्षक, हवलदार और उप निरीक्षकों के लिए दिया ये आदेश

गौरतलब है कि दो दिन पहले 11 जून को डीजीपी ने आदेश दिया था कि लम्बी अवधि से थानों में पदस्थ कर्मचारियों को समय समय पर स्थानांतरित किया जाए, आदेश में कहा गया था कि किसी एक थाने में किसी भी कर्मचारी की एक पद पर पदस्थापना सामान्यतः 4 वर्ष तथा अधिकततम 5 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को इस अवधि की पदस्थापना पूर्ण होने के बाद पुनः उस पद पर उसी थाने में पदस्थ नहीं किया जाये। किसी भी कर्मचारी की पृथक पदों पर किसी एक थाने में पुनः पदस्थापना में कम से कम 3 वर्षों का अंतराल अवश्य रखा जाये। आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक के पद पर किसी भी कर्मचारी की एक ही अनुविभाग में विभिन्न पदों पर कुल पदस्थापना अवधि 10 वर्ष से अधिक नहीं हो।

भोपाल में कोरोना मरीजों की संख्या 13 पहुंची, आरटी-पीसीआर जांच की सुविधा नहीं

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

प्रदेश में कोरोना के नए वेरिएंट के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि विभाग इसे लेकर सीरियस नहीं दिख रहा है। प्रदेश में अभी तक कोरोना को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक 123 मरीज मिल चुके हैं वहीं राजधानी भोपाल की बात करें तो यहां 13 मरीज सामने आए हैं लेकिन यहां के सरकारी अस्पतालों में आरटी-पीसीआर जांच के लिए किट उपलब्ध नहीं है। लोगों को निजी लैबों का सहारा लेना पड़ रहा है। जांच महंगी होने के कारण लोग कोरोना के लक्षण होने पर भी जांच नहीं कर रहे हैं। गतदिनों भोपाल के नए सीएमएचओ डॉ. मनीश शर्मा ने जेपी अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल में कोविड वार्ड की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान, जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने सीएमएचओ को बताया कि पीएसए प्लांट को ठीक कराने की आवश्यकता है। इस पर डॉ. शर्मा ने तत्काल प्लांट की मरम्मत के लिए निर्देश दिए।

पीएसए प्लांट को ठीक कराने की आवश्यकता

निरीक्षण के दौरान, जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने सीएमएचओ को बताया कि पीएसए प्लांट को ठीक कराने की आवश्यकता है। इस पर डॉ. शर्मा ने तत्काल प्लांट की मरम्मत के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कोविड सैंपल कलेक्शन की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। सैंपलिंग रूम तो संतोषजनक पाया गया, लेकिन उन्होंने हर जगह सैनिटाइजर रखने के निर्देश दिए। इधर, कोलार स्वास्थ्य केंद्र समेत जिले के अन्य अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांट भी बंद पड़े हैं। किसी में ऑक्सीजन की प्योरिटी तय स्तर से कम आ रही है तो किसी में इलेक्ट्रिकल फॉल्ट है। इन अस्पतालों ने मेंटेनेंस के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग को पत्र भेजा है।

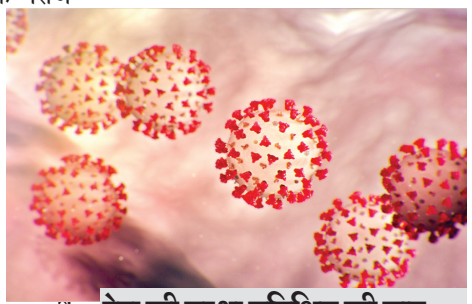

डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए

डॉ. मनीश शर्मा ने सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) से जुड़े ऑनलाइन एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) बनाने की प्रक्रिया को भी समझा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि एमएलसी की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। डॉ. मनीष शर्मा ने स्टाफ से सीधे संवाद किया और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि वे मरीजों के साथ संवेदनशीलता से पेश आएं। डॉ. शर्मा ने जोर देकर कहा कि प्यार से बात करने पर ही मरीज आधा ठीक हो जाता है और आधा आपकी गोली देने के बाद।

स्वास्थ्य विभाग नहीं जारी कर रहा आंकड़े

प्रदेश में कोरोना की स्थिति को लेकर इंटिग्रेटेड डिजीज सर्विलेंस प्रोग्राम द्वारा अब जिलेवार आंकड़े जारी नहीं किए जा रहे हैं, जबकि अन्य राज्य अभी भी रोजाना हेल्थ बुलेटिन जारी कर रहे हैं। भोपाल सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा का कहना है कि हमें अभी तक ऊपर से कोई ऐसी गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। जैसे ही ऊपर से निर्देश होंगे हम जांच शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया कि भोपाल में अभी 4 कोरोना पॉजिटिव मरीज एक्टिव हैं हालांकि कोई सीरियस नहीं है दो मरीजों को आज छुट्टी दी जा सकती है।

लक्ष्य से अधिक सशस्त्र सेना झंडा निधि एकत्रित करने पर संभागायुक्त सम्मानित

राज्यपाल की ओर से पूर्व कर्नल ने भेंट किया प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह

भोपाल। शहीद सैनिकों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों तथा सशस्त्र सेना झण्डा निधि में लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित कर सहयोग करने पर राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल की ओर से संभाग आयुक्त श्री संजीव सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल की ओर से रिटायर्ड कर्नल श्री राजीव खत्री द्वारा आयुक्त श्री संजीव सिंह को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भूतपूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों के परिजनों के कल्याण हेतु वर्ष 2024-25 में भोपाल संभाग के द्वारा निर्धारित लक्ष्य 32 लाख 10 हजार 900 रुपये के विरूद्ध 33 लाख 72 हजार 381 रुपये की राशि एकत्रित कर प्रदान की गई है।

सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारी तेज़, डीजीपी ने की वृहद समीक्षा बैठक

अत्याधुनिक तकनीकों के साथ होगा सिंहस्थ का संचालन

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस मुयालय, भोपाल के कांफ्रेंस हॉल में वृहद समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर आयोजित इस वृहद बैठक में पुलिस मुयालय, भोपाल के वरिष्ठ अधिकारीगण जैसे अतिरिक्त महानिदेशक गुप्तवार्ता/ सायबर, दूरसंचार, रेल, प्रशिक्षण, योजना/प्रबंध, पीटीआरआई तथा विसबल, आईजी भोपाल ग्रामीण, आईजी का.व्य. एवं सुरक्षा, डीआईजी एसडीआरएफ, डीआईजी एएनओ/नोडल अधिकारी सिंहस्थ, पुलिस आयुक्त भोपाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एडीजी उज्जैन जोन, पुलिस आयुक्त इंदौर, आईजी व डीआईजी इंदौर ग्रामीण, डीआईजी उज्जैन रेंज तथा उज्जैन, खण्डवा, खरगौन, देवास, शाजापुर, धार, रतलाम, सीहोर एवं आगर-मालवा के पुलिस अधीक्षक बैठक से वर्चुअल रूप से जुड़े। बैठक का एक प्रमुख आकर्षण रहे उार प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रेम कुमार गौतम, भा.पु.से., वर्तमान में पुलिस महानिरीक्षक, एटीएस, उार प्रदेश, द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान अपनाए गए उत्कृष्ट प्रबंधन उपायों का प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक साझा किया गया, जो आगामी सिंहस्थ महाकुंभ-2028 के आयोजन के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगा। प्रस्तुत प्रजेंटेशन में इन प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया।

वीआईपी मूवमेंट और विशेष प्रबंधन: वीआईपी आगंतुकों के लिए अलग ट्रैफिक रूट, जियो-फेंसिंग, स्कैनिंग ज़ोन और लू-ग्रीन लेन के प्रोटोकॉल अपनाए गए। फेस रिकग्निशन एवं बायोमेट्रिक एंट्री सिस्टम से विशिष्ट व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की गई। हेलीकाप्टर लैंडिंग ज़ोन और वॉचटावर जैसी व्यवस्थाएं बनाई गईं, जिससे उच्चस्तरीय पर्यवेक्षण संभव हुआ।

1. स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण

प्रयागराज नगर को जोनल ट्रैफिक डिवीजन में विभाजित कर यातायात का सुगठित प्रबंधन किया गया। ड्रोन आधारित निगरानी के माध्यम से प्रमुख मार्गों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में सटीक पर्यवेक्षण किया गया। श्रद्धालुओं की सहायता हेतु रूट डायवर्जन मोबाइल ऐप विकसित कर लाइव ट्रैफिक अपडेट उपलध कराए गए। पैदल यात्रियों के लिए अस्थायी लाई ओवर एवं वॉकवे गलियारे बनाए गए जिससे सुरक्षित व निर्बाध आवागमन संभव हुआ।

2. आतंकवाद-रोधी उपाय और समन्वित सुरक्षा

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त कोऑर्डिनेशन यूनिट गठित कर सूचनाओं का समन्वय किया गया।

डॉग स्क्वाड, बम डिस्पोजल यूनिट और एंटी- स्नाइपर टीमों की पूर्व नियोजित तैनाती से सुरक्षा चाक-चौबंद रखी गई।

डार्क वेब मॉनिटरिंग द्वारा संभावित साइबर खतरों का पूर्वानुमान लगाकर कार्रवाई की गई। फेशियल रिकग्निशन ट्रैकिंग सिस्टम से संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी गई।

पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न लेने में नहीं हो कोई असुविधा : खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल । खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत प्रदेश में 5 करो? से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रति माह लगभग 2 लाख 90 हजार मीट्रिक टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी 27 हजार 944 उचित मूल्य दुकानों में पीओएस मशीन स्थापित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

उचित मूल्य दुकानों में परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन/ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त किया जा सकता है। अशक्त एवं दिव्यांगजनों के लिये नॉमिनेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत यह लोग जिस व्यक्ति को नामांकित कर देते हैं, उन्हें खाद्यान्न प्रदान किया जाता है। राशन वितरण की सूचना हितग्राही को एसएमएस के माध्यम से भी देने का प्रावधान है। प्रदेश में लगभग 653 उचित मूल्य दुकानें शेडो एरिया में हैं, इसलिए यहां पर समग्र परिवार आईडी के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण किया जाता है।

ई-नगरपालिका 2.0: 24 सेवाएं ऑनलाइन मिलेंगी

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नल कनेक्शन, कर भुगतान अब घर बैठे कर सकेंगे

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

मप्र में नगरीय निकाय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अब 24 सेवाएं ऑनलाइन मिलेंगी। इसके लिए नगरीय निकायों में ई-नगरपालिका पोर्टल लॉन्च करने वाला है। यह पोर्टल नागरिकों को घर बैठे ही कई तरह की सेवाएं प्रदान करेगा। इसमें जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नल कनेक्शन, संपत्ति कर भुगतान जैसी कई सुविधाएं शामिल होंगी। पोर्टल को और बेहतर बनाने के लिए जीआईएस और एआई तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इस नए पोर्टल का नाम ई-नगरपालिका 2.0 है। यह पुराने पोर्टल का उन्नत संस्करण है। इससे पहले वाले पोर्टल में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं। उन्हें दूर करने के लिए इस नए पोर्टल को और ज्यादा तकनीकी रूप से मजबूत बनाया गया है। इससे लोगों को बेहतर और सुविधाजनक सेवाएं मिल सकेंगी। मप्र ऐसा पहला राज्य बनने जा रहा है जहां प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को एक पोर्टल पर लाया जा रहा है। हालांकि अभी भोपाल नगर निगम का अलग पोर्टल बीएमसी ऑनलाइन है। इसका अनुबंध पूरा होने पर भोपाल नगर निगम को भी ई-नगर पालिका से जोड़ा जाएगा।

जानकारी के अनुसार नगरीय विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में एक साथ ऑनलाइन सेवाएं देने के लिए ई-नगर पालिका 2.0 सॉफ्टवेयर तैयार करा लिया है। ई-नगर पालिका 2.0 का राजस्व, उद्योग और पंजीयन विभाग के साथ एकीकरण किया गया है। इससे प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण हो जाएगा और प्रॉपर्टी टैक्स का खाता भी बन जाएगा। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत उद्योगों को भी जल्द ऑनलाइन अनुमतियां जारी होंगी। नागरिकों को भी घर बैठे. नगरीय निकायों की सेवाएं मिलेंगी, उन्हें कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को ऑनलाइन सेवाओं से जोडने के लिए केन्द्रीकृत वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0 योजना शुरू कर दी है। यह योजना डिजिटल इंडिया अभियान को प्रदेश में आगे बढ़ाने और पारदर्शी तथा त्वरित नागरिक सेवाएं देने के उद्देश्य से लागू की गई है।

नहीं लगाने होंगे दफ्तरों के चक्कर

अभी तक लोगों को नगर निगम के कामों के लिए दफ्तर के चक्कर काटने पड़ते थे। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नल कनेक्शन, या कोई और काम हो, सबके लिए ऑफिस जाना ज़रूरी था। लेकिन अब इस नए पोर्टल के जरिए लोग घर बैठे ही ये सभी काम कर सकेंगे। इससे समय की भी बचत होगी और परेशानी भी कम होगी। ई-नगरपालिका 2.0 को कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे तय शुल्क का आसानी से ऑनलाइन भुगतान हो सकेगा। इसके साथ कॉमन सर्विस सेंटर और किओस्क के माध्यम से भी सेवाएं ली जा सकेंगी। अब इस पोर्टल को क्लाउड पर शिफ्ट कर दिया गया है। इसलिए अब सर्वर डाउन जैसी समस्याएं भी नहीं होंगी। इससे नागरिकों को सेवाएं तेजी से मिलेंगी। नागरिकों को घर बैठे संपत्ति कर का नया खाता खोलने और कर जमा करने, नया नल कनेक्शन लेने, जलकर का भुगतान करने, जन्म, मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाने, ट्रेड लाइसेंस, मैरिज रजिस्ट्रेशन, बिल्डिंग परमिशन, पेड़ काटने की अनुमति, फायर एनओसी के साथ अन्य प्रकार की सभी एनओसी ऑनलाइन मिलेंगी। सभी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करने पर ई-मेल या वाट्सऐप पर डिजिटल हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र, एनओसी आदि मिल जाएगी।

एआई और जीआईएस का उपयोग

संपादकीय

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दशार्ता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

जो होना है उसे कौन टाल सकता है

लेखक- संजय गोस्वामी

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे। विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। विमा ने गुरुवार12/6/25 दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और दो मिनट के बाद ही 1 बजकर 40 मिनट बाद क्रैश हो गया एअर इंडिया के विमान अक-171 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी किसी भी व्यक्ति के जीवित रहने का कोई संभावना नहीं है लेकिन रमेश कुमार नामक व्यक्ति बच गए ऐ किसी चमत्कार से कम नहीं हैः दुःखद समाचार है लेकिन उसमें एक बच गया कोई कुछ भी कहे की टेक्निकल फाल्ट था लेकिन उसका इंडिकेशन दीखता है जो होना होगा उसे कोई टाल नहीं सकता जिसको बचना होगा वो बच जायेगा जिसकी जितने सांस ईश्वर ने दि है उतनी मिलता है मृतकों के प्रति गहरी सम्बेदना है ईश्वर सभी मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें एक आदमी बचा और चलने भी लगा इससे साफ जाहिर होता जिसको जिस तरह मरना होता है उसे ऐ घटना काल बनकर आती है कुछ को बचना लिखा होता है वह बच जाता है जिसमें कितने के फ्लाइट छूट गए हैं उन्ही में से एक यात्रियों में एक महिला सौभाग्यशाली रही कि अहमदाबाद के व्यस्त ट्रैफिक ने उन्हें बचा लिया। ट्रैफिक में फंसने के कारण वह 10 मिनट की देरी से सरदार बल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची थीं। इसके बाद उन्हें अहमदाबद लंदन की फ्लाइट में बोर्डिंग की इजाजत नहीं मिली। उसने एयरपोर्ट स्टॉप से बहुत रिक्वेस्ट की लेकिन उसको बोर्डिंग पास नहीं मिला और वो निराश होकर रह गई। मीडिया से बातचीत में भूमि चौहान ने बताया कि फ्लाइट के टेकऑफ के लिए 1:10 बजे का समय शेड्यूल था। भूमि चौहान ने बताया कि इस हादसे की सूचना के मिलने के बाद वह बुरी तरह से कांप गईं। पैर हिलने लगे। काफी देर तक वह सदमें रहीं। भूमि ने बताया कि जब वह दुखी होकर एयरपोर्ट से एग्जिट गेट पर पहुंची तब उन्हें पता चला कि जिस फ्लाइट को उन्होंने मिस किया है, वह क्रैश हो गया है। अनहोनी घटना होती है जो दुःखद होता है लेकिन कौन मरता नहीं है जिसे बचना होगा वो बच जायेगा दुर्घटना होती है हादसा कह कर नहीं आती और ऐ दुर्घटना पर किसी को दोष नहीं जिया जा सकता है क्योंकि यह एक बोइंग विमान था जिसका पुरे विश्व में कम से कम 800 विमानों का ऑर्डर अभी तक पूरा नहीं हुई अभी भी बन रहा है यदि कोई खामी होती है तो पायलेट विमान इंजीनियर होते है उन्हें विमान के सभी सिस्टम की जानकारी होती है देखिए आपदा में दोष के बजाये लोगों को बचाने और उनके परिवार को संभालने की जरुरत है मौसम भी बढ़िया था और लोग ज्यादा इसलिए मारे गए क्योंकि विमान टेकऑफ करते समय सीट बेल्ट बाधंने से उठने तक का मौका नहीं मिला लेकिन एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है वो यह है कि एयर पोर्ट के आस पास रिहाईसी बिल्डिंग का निर्माण ना हो पहले एयर पोर्ट बहुत दूर होते थे अब सब सामने रहते हैं इससे पायलेट को बहुत सोच समझ कर उड़ान भरना पड़ता है और दुर्घटना में किसी बिल्डिंग पर गिरता है तो वहाँ भी विमान के दबने से वहाँ के रहने वाले लोगों की मौत हो जाता है खैर विमान दुर्घटना अन्य देशों के मुकाबले कम हुआ है ऐ एक आपदा है जिसे कोई नहीं जान सकता है बाद में आप कुछ भी कहते रहें विमान यदि किसी दूसरे के द्वारा मार गिराया जाता है तो युद्ध हो जाता है लेकिन जब कुदरत का कहर होता है तो उसे दोष क्या देंगे ऐ समय का चक्र है एक दिन सबको मरना है अतः हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहिये और जिसने बनाया है उसी ने प्राण लिया दुःख तो बहुत है लेकिन समरथ को नहीं दोष गोसाई, जो तुलसीदास महाराज ने कहा उस महाशक्ति ईश्वर को दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि उसी ने सब कुछ बनाया है अतः हिम्मत से काम लें और उनके परिवार पर जो आपदा आई है उसके साथ खड़ा रहें मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है.एक बार 1985 की बात है जब फतुहा से मोकामा जानेवाली ट्रेन में आग लगी जिसमें मेरे चाचाजी रोज पटना ऑफिस में जाते थे लेकिन दादाजी मेरे रामायण का पाठ करते थे उन्होंने चाचाजी को एक काम दे दिया जिसके करने में उन्हें घर पहुंचने में देरी हुई और ट्रेन छूट गई रोज उनके साथ जाने वालेसाथी ट्रे न में जल कर मर गए कोरोना आया और कितने को मार डाला जिसके बारे में किसने भविष्यवाणी की आपदा आती है जिसपर किसी का नियंत्रण नहीं होता है जिसे जाना होगा वो जायेगा जिसे बचना होगा वो बच जायेगा जैसे एक आदमी बच गया ऐ एक अलग बहाना होता है वो एग्जिट गेट में बैठा था जबकी उसने खुद बताया कि अचानक विस्फोट हुआ आग लगा और कुछ ही सेकेण्ड में मरते हुए देखा हुआ उसे बचना लिखा था इसलिए वो बच गया अतः शांति से काम लें और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें अमेरिका के 9/11 आतंकी घटना में कितने लोग मारे गए लेकिन यदि किसी अन्य कारण से होता तो कुदरत का कहर ही मान सकते हैं लेकिन आतंकवादी घटना थी इसलिए अमेरिका ने अफगानिस्तान के अलकायदा को खत्म ही कर दिया क्योंकि की किसी को भी जान लेने हिंसा करने की इजाजत ईश्वर कभी नहीं देता लेकिन जो सब कुछ उसी ने दिया और उसके मर्जी से ही ऐ दुर्घटना हुई इसलिए इसपर राजनीती करना बिलकुल गलत है ऐ होना लिखा था जान जाना निश्चित था और दुःखद घटना हुई आप ही सोचें कौन मरेगा नहीं आज न कल सभी को इस संसार से विदा लेना है फर्क यही है कोई समय से जायेगा कोई पहले जायेगा इसलिए हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहें जो होगा वो संसार की एक प्रकिया है जिसे वही टाल सकता है जो संसार का निर्माण किया है।

विकास की पटरी पर तेजी से दौड़ता मध्यप्रदेश

मोहन यादव सरकार के डेढ़ साल पूरे

निलय श्रीवास्तव

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पहले सपना था लेकिन अब हकीकत बनकर हमारी आँखों के सामने आ चुका है। मध्यप्रदेश विकास का रोल मॉडल बनकर तेजी से उभरा है। इसका प्रमाण है जन-जन का विकास और संचार समेत अन्य संसाधनों में उल्लेखनीय प्रगति। प्रसंगवश बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार मध्यप्रदेश की सराहना कर चुके हैं। विकास के मामलों में पिछड़ते जा रहे राज्यों पर जब गहन चिंतन मनन होता है तब मध्यप्रदेश का उदाहरण सबके सामने प्रस्तुत किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस प्रदेश के साथ साथ मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से भी अत्यधिक प्रभावित हैं। उनकी कर्तव्य परायणता का जिक्र वे अपने भाषणों में अक्सर करते हैं। डॉ.मोहन यादव हैं भी तारीफ के काबिल, क्योंकि अपनी अकर्मण्यता, कौशल्य के दम पर उन्होंने मध्यप्रदेश को अग्रणी स्थान दिलाया है। उनकी सक्रियता प्रदेश भर में है। सुदूर क्षेत्रों में भी यदि समस्या हो तो वे उसके निराकरण के लिए प्रयासरत होते हैं। प्रशासनिक अमला भी उनके दिशा निदेर्शों का तटस्थता सजगता से पालन करता है। वर्षों की समस्या को देखते देखते सुलझा लिया जाता है। डॉ.मोहन यादव के काम, उनके आश्वासन और वायदों पर प्रदेश के लोगों ने भरोसा जताया है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के डेढ़ वर्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है। सरकार के कामकाज को परखने उससे संतुष्ट होने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है लेकिन आलोचना करने वाले भी कम नहीं। इन सबके बीच विपक्ष की आलोचना,टीका टिप्पणी को नजर अंदाज कर मध्यप्रदेश कच विकास के रास्ते पर आगे ले जाने का लक्ष्य अपने गंतव्य पर निरंतर आगे बढ़ता जा रहा है। यह सदी विकास की है। एक तरफ जहाँ देश ने विश्व पटल पर अपनी पृथक पहचान स्थापित कर ली है। वहीं मध्यप्रदेश ने विकास के विभिन्न आयाम स्थापित कर साबित कर दिया है कि हौसले बुलंद हों तो कुछ भी असम्भव नहीं। याद दिलाना होगा कि इस सदी के आरम्भ से ही मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता की बागडौर सम्भाल रखी है। खास बात यह है कि आम आदमी की फिक्र करने के साथ सबको एक नजरिये से देखा जाता है। बीच के कुछ महीने छोड़ दें तो अधिकांश समय सत्ता की चाबी भारतीय जनता पार्टी के पास ही रही है। इस दौरान गुजरते वक्त के साथ भाजपा ने प्रदेश के लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनायी है। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश बड़ा राज्य है और बड़े दिल वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव इन दिनों पूरी सक्रियता के साथ प्रदेश का भ्रमण कर रहे हैं। वे आम आदमी से सीधे जुड़कर उससे सीधा संवाद कर रहे हैं। जनता का असीम स्नेह उनके कार्यों की सफलता की गारंटी है। यह भी एक चमत्कार की तरह है कि वे जनता की दवा बनकर हमेशा साथ खड़े हो जाते हैं। मसला किसानों की समस्याओं का हो, मजदूरों का हो या प्रदेश के साथ न्याय नहीं होने का। उनका दिल मध्यप्रदेश के लिए ही धड़कता है और मध्यप्रदेश में ही बसता है। डॉ.मोहन यादव ने यह साबित कर दिया है कि कुशल प्रबंधन तथा अथक परिश्रम से कुछ भी असम्भव नहीं। सबका साथ सबका विकास की थीम पर मध्यप्रदेश अपनी तासीर के अनुरूप भाषा, बोली और जाति के नाम पर किसी भी नागरिक से पराये सा व्यवहार नहीं करता है, बल्कि जो आता है उसे गले लगा लेता है। मध्यप्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास की बुनियाद को मजबूत करने के लिये भौतिक तथा मानवीय आधारभूत संरचना मजबूत होना चाहिये। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने आत्मनिर्भरता को न सिर्फ मध्यप्रदेश के भविष्य निर्माण की दृष्टि से देखा, बल्कि उसे व्यक्तिगत चेतना से आगे ले जाकर समूह चेतना में परिवर्तित करने का उपक्रम भी किया है। आज हम देख रहे हैं कि मध्यप्रदेश के युवा डॉ.मोहन यादव की मदद से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यही विकास का शंखनाद है। चुनौतियों से सदा जूझते रहने वाले युवा वर्ग को प्रोत्साहन के साथ संबल देने की नितांत आवश्यकता है। मानकर चलते हैं कि आज का युवा कल का भविष्य है। युवा उत्थान की दिशा में आगे बढ़ने के दौरान सरकार के साथ आमजन को भी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। रोजगार के साथ तकनीकि शिक्षा के आवश्यक संसाधन जुटाने होंगे। बंद पड़े उद्योगों, लघु उद्योंगों को पुनः शुरू करने से युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल सकेगा। इस दिशा में सरकार प्रयास करे तो बेहतर होगा। आज का युवा कल का भविष्य है इसे दृष्टिगत रखकर लिये गये हर एक फैसले का स्वागत है। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि सरकार महिला सशक्तिकरण, बालिका प्रोत्साहन तथा सुरक्षा पर अत्यधिक व्यय कर रही है। महिला सम्मान में कहीं कोई कमी न रह जाये इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मातृ शक्ति के अधिकार, स्त्रीत्व के सम्मान, सुरक्षा और उसके सामाजिक आर्थिक विकास के लिये प्रतिबद्ध डॉ मोहन यादव समय की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए इस दिशा में लगातार चिंतन मनन करने के साथ अपनी सोच और विचार को धरातल पर उतारते रहें हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगत आत्माओं को काव्यात्मक श्रद्धांजलि

आशाओं से पूर्ण विमान जब नीले गगन में उड़ चला, किसे पता था नियति का प्रहार उस पल था पीछे खड़ा। सपनों की वो रेखाएँ जो बादलों में थीं चित्र रच रहीं, क्षण भर में टूट ध्वस्त हुईं, और निस्तब्ध रह गईं। माँ की ममता, पिता की सीख, भाई-बहन का सच्चा प्यार, सब रह गए अधूरा, जब हो गया आकाश पर प्रलय-प्रहार। जिन आँखों में थे भविष्य के रंगीन सपने सँजोए, अब उन्हीं आँखों को है पीड़ा के अश्रु से भिगोए। बिखर गई वो हँसी, वो बातें, वो जीवन की मधुर कहानी, सुनसान पटरियों पर रह गई केवल कुछ यादें पुरानी। हादसे की भयंकर आग में झुलस गए सैकड़ों जीवन, और छोड़ गए पीछे अपनों के लिए पीड़ा और क्रंदन। ईश्वर! तुम तो दयालु हो, फिर क्यों ये कठोरता दिखाई? क्यों वो मासूम आत्माएँ यूँ अचानक काल के गाल समाईं? प्रार्थना यही है – उन्हें शांति मिले, नया आलोक मिल जाए, जहाँ भी जन्म हों, बस प्रेम और स्नेह की रश्मियाँ लहराएँ। जिनका घर टूटा, संसार उजड़ा, आँगन से उजास गया, उनके जीवन में फिर से लौटे सुख, जो भी उनका गया। हम सब उनके लिए विनम्र मौन श्रद्धा-सुमन चढ़ाते हैं, अपने भावों से दिव्य-दीप बनाकर शांति की लौ जलाते हैं। हर उड़ान अब अभय हो, न हो फिर कोई ऐसा मंजर, सावधानी, संवेदना व सतर्कता से हो सुरक्षित, सफल सफर। जो गए हैं सब अपनों को छोड़कर, वो कभी भूले नहीं जाते, उनके ख्याल हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रह जाते। हर टुकड़ा उस मलबे का कहता है कोई कहानी, हर चुप्पी में बह रही निरंतर दर्द की एक रवानी। जो सपनों की गठरी लेकर जीवन के रथ पर चढ़े थे, वे आज नियति के मौन भंवर में चिरनिद्रा में पड़े थे। कुछ थे नवयुवक, कुछ वयोवृद्ध, कुछ मासूम नन्हें प्राण, सबकी आंखों में थे पलने वाले अपनेझ्रअपने अरमान। एक क्षण में जीवन पलटा, सांसों की ज्योत बुझ गई, पीछे रह गए प्रश्न, और हकीकत आंसुओं में घुल गई। कोई थी बेटी, जो उड़ान भरने निकली थी पहली बार, कोई बेटा था, जो माँ के आँचल से दूर हो रहा था पहली बार। किसी की मांग का सिंदूर था उस सीट पर, अब राख है जहाँ, किसी की उँगली पकड़ के चलता बच्चा अब जाएगा कहाँ? कितना कुछ चुपचाप लील गया एक पल का वो प्रहार, मानवता चेतना को कर गया तार-तार अनगिनत बार। आकाश भी आज शांत नहीं, करता करुण आर्तनाद, प्रकृति की व्याकुल पुकार बन गई हादसे का संवाद। चलो अब हम सब मिलकर इस पीड़ा में संकल्प करें, सुरक्षा, जागरूकता के साथ ही हर उड़ान का प्रकल्प करें। न हो दोहराव कभी दुखद त्रासदी के ऐसे पल का, हर उड़ान में विश्वास हो सुरक्षित एवं उज्ज्वल कल का। दिवंगत आत्माओं को बस श्रद्धा से याद करते रहें हम, और दुख में डूबे सब परिजनों का हाथ थामे रहें हम। राष्ट्र की आत्मा रोती है जब कोई नागरिक यूँ जाता है, हर संवेदनशील नागरिक उनका दुख अपना सा जताता है।

डॉ. शैलेश शुक्ला

विश्व रक्तदाता दिवस -14 जून 2025 पर विशेष

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

लेखक- ललित गर्ग

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को ह्यविश्व रक्तदान दिवसह्न मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महा- दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है ह्यरक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं ह्न यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है। दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है। इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है। रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए।

कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12थ्द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्स : नड्डा

नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। जेपी नड्डा शुक्रवार को नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित सर्वोत्तम प्रथाओं पर सम्मेलन के पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा यह सम्मेलन एक अग्रणी पहल है, जो तीन प्रमुख क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने का प्रयास करता है जिसमें शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवा; और शासन -रोगी सुविधा शामिल है। नड्डा ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का सामना करने के लिए डॉक्टरों को तैयार करने में एम्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने किया जयपुर का दौरा

जयपुर। श्रीलंका आर्मी के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएमएल रोड्रिगो 12-13 जून को सप्त शक्ति कमान के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। जनरल ऑफिसर का स्वागत दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया।
श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर और अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभवों को साझा किया। दोनों जनरल अधिकारियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण पहल, क्षमता विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विस्तृत चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बी के जी एम एल रोड्रिगो ने एक उपकरण प्रदर्शन और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर एक युद्ध प्रदर्शन भी देखा। अपने सैन्य कार्यक्रमों के अलावा लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने सैन्य और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया, जहां उन्होंने राजस्थान की समृद्ध सैन्य और सांस्कृतिक विरासत को देखा। लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो का दौरा श्रीलंका और भारत दोनों देशों के बीच अपने मजबूत रक्षा सहयोग को गहरा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो दशकों के साझा इतिहास, आपसी विश्वास और क्षेत्रीय साझेदारी से निर्मित हुआ है। यह दोनों सेनाओं के बीच सौहार्द और व्यक्तिगत संबंधों, क्षमता निर्माण, सैन्य प्रशिक्षण और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागिरकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा आश्रयों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स हैंडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की। इसमें कहा गया, ईरान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों से अनुरोध है कि वे सतर्क रहें। अनावश्यक गतिविधियों से बचें। दूतावास के सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करें और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। उल्लेखनीय है कि इजराइल की सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को मार गिराया है।

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को पकड़ा, अब तक 145 पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। पकड़ी गई महिला कुलसुम बेगम (23) बांग्लादेश के ग्राम जमरिलडांगा की रहने वाली है। वह भारत में घुसपैठ कर जंगल के रास्ते से दिल्ली पहुंची थी। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई हो चुकी है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने शुक्रवार को बताया कि यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ के बाद उसको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जल्द ही बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा।

इजराइल ने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया

ईरान पर इजराइल का बड़ा हवाई हमला परमाणु ठिकानों पर की बमबारी

तेहरान

इजराइल ने तड़के ईरान में कई स्थानों पर बम बरसाए। इस हमले से ईरान सकते में है। बम धमाकों से राजधानी तेहरान के बाशिंदे सहम गए। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, इजराइल की सरकार ने शुक्रवार ईरान के रिहायशी इलाकों पर हमला किया। ईरान की राजधानी तेहरान में कई जोरदार धमाके सुने गए। इसके कुछ ही देरबाद इजराइली सरकार ने घोषणा की कि उसने ईरान के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है।

इजराइल में आपातकाल, तेल अवीव में बजे सायरन

इस बीच अमेरिका के 'एबीसी न्यूज' चैनल की खबर में इजराइल के रक्षामंत्री इजराइल कैट्ज के हवाले से कहा गया है कि इजराइल ने शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार ईरान के विरुद्ध दर्जनों हमले किए। साथ ही इजराइल में आपातकाल की घोषणा की। कैट्ज ने बयान में कहा, 'ईरान के विरुद्ध इजराइल के पूर्वव्यापी हमले के बाद निकट भविष्य में इजराइल और उसके नागरिक आबादी के विरुद्ध मिसाइल और ड्रोन हमला होने की आशंका है।' उनकी इस घोषणा के बाद तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजने शुरू हो गए हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने वाशिंगटन में कहा कि अमेरिका का इसमें कोई हाथ नहीं है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स प्रमुख होसैन सलामी ढेर

खबर के अनुसार, इजराइल की सेना ने शुक्रवार सुबह ईरानी परमाणु सुविधा केंद्रों और शोध वैज्ञानिकों को निशाना बनाया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है। ईरानी राज्य टेलीविजन ने कहा कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रमुख होसैन सलामी हमलों में मारे गए।

अमेरिका का हाथ नहीं

संयुक्त राज्य अमेरिका का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं है। विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने बयान में कहा कि इजराइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की है। अमेरिका ईरान के खिलाफ हमलों में शामिल नहीं हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता मध्यपूर्व क्षेत्र में अमेरिकी सेना की सुरक्षा करना है। रुबियो ने कहा कि ईरान को अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। ईरान के सरकारी मीडिया ने राजधानी तेहरान में जोरदार विस्फोटों और कुछ लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। सरकारी टेलीविजन ने तेहरान के दक्षिण में स्थित शहर नतांज में हमलों की सूचना दी। नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं का बड़ा केंद्र है।

महिला सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और सेतु आयोग के बीच समझौता

नई दिल्ली

राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड के सेतु आयोग के बीच शुक्रवार को विकसित एवं सशक्त उत्तराखंड को लेकर महिला सशक्तीकरण विषय के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी के बीच संपन्न हुआ।

इस समझौते का उद्देश्य राज्य में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक भागीदारी एवं विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में एकीकृत ग्रामीण स्मार्ट गांव केंद्रों की स्थापना, विवाह पूर्व संवाद केंद्र, उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला सुरक्षा एवं संरक्षण पर केंद्रित प्रशिक्षण तथा कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं समावेशी बनाए जाने जैसे लक्ष्य सम्मिलित हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका केंद्रबिंदु में होगी, जिसमें आयोग महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण से जुड़े राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में अर्जित अनुभव के आधार पर तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।

इसके साथ उत्तराखंड की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण सामग्री, मॉड्यूल एवं ज्ञान संसाधनों का विकास करना, राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाएं साझा करना, राज्य स्तरीय पहलों को केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ने में सहायक बनना, सम्बंधित हितधारकों के क्षमता निर्माण हेतु विशेष कार्यशालाओं का आयोजन करना शामिल है।

अभिनेत्री करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

भारतीय अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर व्यवसायी संजय कपूर का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 53 वर्षीय संजय कपूर पोलो खेलते समय अचानक बेहोश हो गए थे। अभिनेता सुहेल सेठ ने संजय कपूर के निधन की सूचना एक्स हैंडल पर साझा की। सुहेल ने एक्स पर लिखा, ' संजय कपूर के निधन पर बहुत दुख हुआ। इंग्लैंड में उनका निधन हो गया। यह एक बहुत बड़ी क्षति है और उनके परिवार और उनके सहकर्मियों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। वर्ष 2003 में 29 सितंबर को दोनों ने मुंबई में अभिनेत्री के पैतृक घर कृष्णा राज बंगले में धूमधाम से शादी की थी। संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं -बेटी समायरा और बेटा कियान।

आयुष मंत्रालय वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शनिवार को आयुष मंत्रालय विज्ञान भवन में हाइब्रिड रूप से वैश्विक शिखर सम्मेलन 'योग कनेक्ट' की मेजबानी करेगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश दोनों से योग गुरुओं, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, व्यापारिक नेताओं, शोधकर्ताओं और वैश्विक प्रभावशाली लोगों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आएगा। इस कार्यक्रम का समन्वय योग और प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद द्वारा किया जा रहा है, जो योग के क्षेत्र में शीर्ष शोध निकाय है।

योग कनेक्ट' एक हाइब्रिड प्रारूप में होगा, जिसमें 1,000 से अधिक व्यक्तिगत प्रतिभागियों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय योग संस्थानों और कल्याण समुदायों के आभासी उपस्थितगण शामिल होंगे। बहरीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और दक्षिण कोरिया सहित चार से अधिक देशों के विशेषज्ञ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि शिखर सम्मेलन में 'योग प्रभाव' रिपोर्ट का विमोचन होगा जिसमें पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रभाव का आकलन करने वाला एक राष्ट्रव्यापी अध्ययन शामिल होगा। यह रिपोर्ट शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी, क्योंकि यह देशभर में आईडीवाई पहलों की पहुंच, प्रभावशीलता और परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान करेगी। इसके अलावा इस मौके पर देशी भारतीय वृक्षों के महत्व और उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका जारी की जाएगी। इस सम्मेलन में विभिन्न विषयगत सत्र शामिल होंगे जिनमें गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए योग सामान्य योग प्रोटोकॉल पर अध्ययन, जीवन के विभिन्न चरणों में योग, महिला स्वास्थ्य के लिए योग शामिल है। इस कार्यक्रम में स्वामी बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, एचआर नागेंद्रजी, परम पावन बिक्खू संघसेना और भारत भूषण शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 'योग कनेक्ट' भारत के वैश्विक योग आंदोलन के दस साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसकी शुरुआत 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किए जाने के साथ हुई थी।

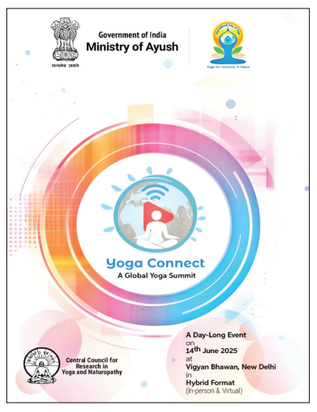

भारत और मंगोलिया ने नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया

संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट के समापन समारोह में शामिल हुए रक्षा सचिव

नई दिल्ली

भारत और मंगोलिया ने द्विपक्षीय बैठक में रक्षा सहयोग और मजबूत करने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मंगोलियाई रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव ब्रिगेडियर जनरल गंखुयाग देवदोरज के साथ उलानबटार में हुई द्विपक्षीय बैठक में नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया गया।

भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट का 17वां संस्करण शुक्रवार को मंगोलिया के उलानबटार में संपन्न हुआ। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ

ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स और स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने समापन समारोह में भाग लिया। दो सप्ताह तक चले अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी सक्रिय रूप से शामिल हुई, जिसमें मुख्य रूप से अरुणाचल स्काउट्स की एक बटालियन के 45 कर्मियों ने भाग लिया। संयुक्त प्रशिक्षण का फोकस संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में अर्ध-पारंपरिक परिदृश्यों में एक संयुक्त टास्क फोर्स के रूप में काम करते हुए भारतीय सेना और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना था। समापन समारोह में रक्षा सचिव ने नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास के दौरान भारतीय सैनिकों की व्यावसायिकता, समर्पण और आचरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच दोस्ती, आपसी विश्वास और साझा सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी बंधन का प्रमाण है। इसने सार्थक सैन्य सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम किया और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की संयुक्त पहलों में भारतीय सेना का योगदान न केवल परिचालन तत्परता को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक शांति प्रयासों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की भूमिका को भी मजबूत करता है।

रक्षा सचिव शनिवार को इसी स्थान पर बहुराष्ट्रीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट 2025 के उद्घाटन समारोह में भी भाग लेंगे, जिसमें भारतीय सेना की टुकड़ी भी भाग ले रही है। अभ्यास खान क्वेस्ट 14 से 28 जून तक आयोजित किया जाएगा। दोनों सेनाओं के बीच अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट और खान क्वेस्ट का आयोजन भारत की बढ़ती रक्षा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और मंगोलिया के साथ इसकी साझेदारी के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है।

ब्रीफ न्यूज़

राजगढ़ में हाईवे किनारे होटल पर परोसा जा रहा गोमांस करणी सेना ने किया हंगामा, जांच के लिए भेजा गया सैंपल

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में हाईवे किनारे एक होटल में गोमांस परोसने का मामला सामने आया हैं। करणी सेना के कार्यकताओं ने होटल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मांस को जब्त कर सैंपल जांच के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। यह पूरा मामला पचोर थाना क्षेत्र का है। शुक्रवार को करणी सेना के कार्यकर्ता हाईवे पर स्थित एक होटल पर पहुंचे। उनका आरोप है कि एक साल से होटल में गोमांस बेचा जा रहा है। लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। जैसे ही करणी सेना को पता चला तो कार्यकर्ता इसके खिलाफ खड़े हुए। करणी सेना के कार्यकताओं के मुताबिक, होटल के कर्मचारी ने गोमांस बेचने की बात को कबूल किया है।

आज म.प्र. शासन के मंत्रीगण संसद विधायक पचमढ़ी प्रवास पर रहेंगे

नर्मदापुरम। म.प्र. शासन के मंत्रीगण 14 जून को पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इसके लिए मंत्रीगण 13 जून की सायं ही पचमढी पहुंचेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह, पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगें। इसी क्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुगार्दास उइके, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य विभाग मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गी, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग मंत्री श्री ऐंदल सिंह कंषाना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक?ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, केन्द्रीय मंत्री श्री एल मुरूगन, न्याय व अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ वीरेन्द्र कुमार पचमढी प्रवास पर रहेंगे। साथ ही राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कुटीर एवं ग्रामोंद्योग श्री दिलीप जायसवाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी, राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर श्री पचमढी आ रहे है।
पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश श्री महेन्द्र सिंह भी पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगें।

महापौर संगीता सुशील तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से की भेंट

राजघाट बांध की ऊंचाई बढ़ाने, 8 सीटर विमान एवं एयरपोर्ट निर्माण शुरू कराने का आग्रह किया

सागर। महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने शुक्रवार को भोपाल प्रवास के दौरान म.प्र. के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर महापौर ने मुख्यमंत्री जी को सागर नगर की जलप्रदाय व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए राजघाट बांध की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और राजघाट बांध की ऊंचाई बढ़ाने हेतु स्वीकृति प्रदान करने तथा मुख्यमंत्री जी की घोषणानुरुप सागर में अतिशीघ्र एयरपोर्ट का निर्माण प्रारंभ कराने का आग्रह किया। तब तक पीएमश्री पर्यटन सेवा के तहत 8 सीटर विमान की हवाई सुविधा जल्द से जल्द सागर से भी शुरू कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महापौर प्रतिनिधि डॉ सुशील तिवारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट,एमआईसी सदस्य राजकुमार पटेल, सोमेश जड़िया, युवा भाजपा नेता रिशांक तिवारी उपस्थित थे।

अमृत हरित महाअभियान को भोपाल से कार्यशाला का सीधा प्रसारण देखा,सुना

सागर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र.भोपाल के निदेशानुसार अमृत हरित महाअभियान का आयोजन रवीन्द्र भवन भोपाल में प्रदेश की सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों / कर्मचारियों हेतु आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भोपाल से किया गया। नगर पालिक निगम सागर द्वारा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने की व्यवस्था नवीन कार्यालय भवन के भूतल पर की गई। स्थानीय स्तर पर नगर निगम द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया।

सारंगपुर के हराना में आंधी, 50 साल पुराना पेड़ गिरा

कई जगह बिजली के खंभे टूटे, मकानों में भरा पानी

सारंगपुर। सारंगपुर के हराना गांव में शुक्रवार शाम 4 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हुई। 20 मिनट चली इस आंधी ने गांव में कई जगह नुकसान पहुंचाया। हनुमान मंदिर परिसर में 50 वर्ष पुराना नीम का पेड़ तेज हवा से गिर गया। इससे मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पेड़ गिरने से पास से गुजर रही बिजली लाइन प्रभावित हुई। तीन बिजली के खंभे टूट गए। इससे गांव के कई हिस्सों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुट गए। तेज हवा से शुभम नागर सहित कई मकानों की छतों पर लगी टीन की चद्दरें उड़ गईं। कुछ घरों में पानी भी भर गया। ग्रामीणों के अनुसार मौसम की यह अचानक बदली स्थिति भयावह थी। लोग अपने घरों में दुबके रहे। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। रामविलास पटेल, पूनमचंद नागर, देवनारायण चौधरी समेत कई ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का जायजा लेने की मांग की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को सहायता देने की मांग की है। ग्रामीणों की मदद से विद्युत विभाग ने पेड़ और खंभे हटाए। देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल हो गई।

जिला सहकारी बैंक के सीईओ रहे आचार्य बर्खास्त, एफआईआर होगी

खरगोन। खरगोन जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे राजेंद्र आचार्य को पद से बर्खास्त कर दिया गया है। आचार्य के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया जाएगा। आचार्य ने सनावद की अवंती सूत मिल को बिना उचित अनुमति के 62 करोड़ रुपए का लोन दिया था। जांच हुई तो कुल 110 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रबंध संचालक पीएस धनवाल ने यह कार्रवाई की है। कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देश पर प्रबंधक स्थापना अनिल कानूनगो ने मामले की जांच की। जांच के दौरान आचार्य अपना पक्ष साबित करने के लिए कोई साक्ष्य या दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। उन पर सॉफ्टवेयर खरीदी और अनुकंपा नियुक्ति के मामले में भी जांच चल रही है। दरअसल आचार्य 1 दिसंबर 2021 से 1 सितंबर 2023 तक बैंक के सीईओ रहे। इस दौरान उन्होंने वित्तीय निर्णयों के लिए न तो प्रशासक कमेटी को कोई प्रस्ताव भेजा और न ही आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाओं, भोपाल से अनुमति ली। जब मामला सामने आया तो उन्हें सीईओ से दूसरे छोटे पदों पर रखा गया और उन पर जांच चली। अब राजेंद्र आचार्य के खिलाफ यह बड़ा एक्शन लिया गया है। उन्हें सीईओ के पद से बर्खास्त ही कर दिया है।

नियमित रूप से रक्तदान करके मानवता के यज्ञ में बनें भागीदार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

रक्तदान में सक्रिय भूमिका निभाने वाले टेक्नीशियन राठौड़ की सराहना की

दीनबन्धु, अलीराजपुर।
dinbandhunews.com

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रक्तदान महादान है। रक्तदान से कई ज़िंदगियों का संरक्षण किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान कर इस मानवीय अभियान को सशक्त बनाएं। रक्तदान किसी व्यक्ति को जीवनदान देने जैसा है। उन्होंने आह्वान किया कि रक्तदान को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं और नियमित रूप से रक्तदान कर- के मानवता के इस यज्ञ में भागीदार बनें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रक्तदान केवल रक्त नहीं, बल्कि आशा, विश्वास और जीवन का प्रतीक होता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अलीराजपुर ब्लड बैंक में कार्यरत टेक्नीशियन श्री परमल सिंह राठौड़ के रक्तदान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि श्री राठौड़ जैसे समर्पित स्वास्थ्यकर्मी हमारे समाज के सच्चे नायक हैं। वे रक्तदान जागरुकता के वाहक बने। उन्होंने कार्य-निष्ठा, पारदर्शिता और सेवाभाव का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह सम्पूर्ण स्वास्थ्य तंत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। 5 वर्षों में 18 हजार से अधिक यूनिट रक्त की पूर्ति से अलीराजपुर रक्तदान में बना आत्मनिर्भर उल्लेखनीय है कि टेक्नीशियन श्री राठौड़ ने अलीराजपुर ब्लड बैंक में समर्पण और अनुकरणीय सेवा से जिले में रक्तदान आंदोलन को नई दिशा दी। आर्मी की नौकरी छोड़कर स्वास्थ्य विभाग में आए राठौड़ जी ने बीते 5 वर्षों में 18 हजार से अधिक यूनिट रक्त की पूर्ति कर, पूरे जिले को रक्तदान के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने ब्लड बैंक के लाइसेंस को रिन्यू कराया साथ ही 10 वर्षों से अधिक का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में व्यवस्थित किया। चाहे आधी रात हो या दूरस्थ क्षेत्र, उनका पहला कर्तव्य मरीजों को जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराना रहा। उनके प्रयासों से एक ही छत के नीचे 700 से अधिक रक्तदाताओं का सफल पंजीकरण और 2,000 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह किया गया। इस उपलब्धि से अलीराजपुर ज़िला पूरे प्रदेश में जनहित का उत्कृष्ट उदाहरण बना। वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 लाख 61 हजार यूनिट रक्त किया गया संग्रहित मध्यप्रदेश में वर्तमान में 67 शासकीय सहित कुल 174 ब्लड सेंटर संचालित हैं। वर्ष 2024-25 में प्रदेश भर में 5,283 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 7 लाख 61 हजार यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इसमें 7,41,460 पुरुषों और 20,323 महिलाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज को नई ऊर्जा दी। यह संग्रहण गत वर्षों की तुलना में लगभग 2 लाख यूनिट अधिक है, जो प्रदेश की जनजागरूकता और सेवा भावना का प्रमाण है। प्रदेश में गर्भवती महिलाओं, सिकल सेल एनीमिया, थैलेसिमिया, हिमोफिलिया, कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को रिप्लेसमेंट फ्री और निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में भी रक्त की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 118 ब्लड स्टोरेज यूनिट्स को चिन्हित कर ब्लॉक स्तर पर क्रियाशील किया गया है। साथ ही, संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए एनएटी तकनीक द्वारा वर्ष 2024-25 में 84,074 यूनिट रक्त की जांच कर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के ब्लड सेंटरों में 25 ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट्स का संचालन भी प्रारंभ किया गया है।

नर्मदा नदी में नहाने गए दो युवक डूबे नरसिंहपुर के झिकोली घाट पर शव मिले

दीनबन्धु, नरसिंहपुर।
dinbandhunews.com

नरसिंहपुर जिले के झिकोली घाट पर नर्मदा नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। साईंखेड़ा के वार्ड नंबर 5 निवासी घनश्याम नौरिया (32) और सोनी मोहल्ला निवासी राजू कहार (20) गुरुवार दोपहर एक साथी के साथ नहाने पहुंचे थे। नहाते समय दोनों युवक नर्मदा के गहरे पानी में चले गए और लापता हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तलाशी शुरू की। अंधेरा होने के कारण गुरुवार को सफलता नहीं मिली। शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन फिर शुरू किया गया। शाम को दोनों युवकों के शव मिले। साईंखेड़ा थाना प्रभारी प्रकाश पाठक के नेतृत्व में पुलिस ने ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई की। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने इस मामले का खुलासा शुक्रवार को किया।

जिला अधिवक्ता संघ ने प्लेन हादसे में मृतकों के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया

नर्मदापुरम। जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों द्वारा अहमदाबाद में प्लेन हादसे में हुए मृतकों के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया गया। संघ के सदस्यों द्वारा अधिवक्ता सभागार में शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें अधिवक्ता सचिन चौहान द्वारा शोक प्रस्ताव पढ़ा गया। उन्होंने कहा कि हादसे से पूरा देश सदमे में है, जिला अधिवक्ता संघ नर्मदापुरम के सदस्यों की संवेदनाएं शोक संतृप्त परिवारों के साथ है। संघ के कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि शोक सभा में संघ के उपाध्यक्ष मनोज यादव, पी डी चौरे, वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद शर्मा, बलवंत सिंह ठाकुर, अजय तिवारी, अनुपम दुबे, मोहनलाल यादव, अनिल कानवा, पुरुषोत्तम व्यास, चंद्रशेखर रूसिया, कल्पेश दुबे, राजेश मालवीय, अनुराग दुबे, धर्मेंद्र यादव, नीरज पटेल, संदीप थापक, दिलीप श्रीवास्तव, महेंद्र चौरे, अतुल नायर आदि उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का हुआ समापन

प्राकृतिक खेती को अपनाने और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ेः सांसद नारोलिया

दीनबन्धु, भोपाल।
dinbandhunews.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के महत्त्वाकांक्षी सपने को साकार करने की दिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में विकसित कृषि संकल्प अभियान का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, कृषि विभाग और कृअफके विशेषज्ञों की एक टीम ने नर्मदापुरम विकासखंड के ग्राम पंचायत भिलाखेड़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया। समापन समारोह में राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जिला पंचायत नर्मदापुरम के सीईओ टी. प्रतीक राव, उपसंचालक कृषि श्री जे.आर. हेड़ाऊ, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. संजीव गर्ग, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पीयूष शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए किसानों की समस्याओं को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि हम समय के अनुरूप कृषि पद्धतियों में परिवर्तन नहीं करते हैं, तो हमें खेती के क्षेत्र में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने मिश्रित खेती और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने इस विकसित कृषि संकल्प अभियान के उद्देश्यों और कार्यक्रम की प्रगति की चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह अभियान 29 मई से आरंभ होकर 12 जून तक चला, जिसमें सभी कृषि वैज्ञानिक और संबंधित विभाग के अधिकारी लगातार किसानों के पास पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान और उन्हें नवीनतम तकनीकी जानकारी प्रदान करते रहे। उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन के अनुसार आगे बढ़ने की सलाह दी।

कुबेरेश्वरधाम पर 16 जून को एक शाम कुबेर भंडारी के नाम होगा आयोजन

प्रसिद्ध भजन सम्राट लखबरी सिंह लक्खा देंगे अपने भजनों की प्रस्तुति

दीनबन्धु, सीहोर।
dinbandhunews.com

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के जन्मोत्सव पर इस बार एक शाम कुबेर भंडारी के नाम भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। भव्य भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन सम्राट लखबरी सिंह लक्खा रात्रि सात बजे से अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। विठलेश सेवा समिति के तत्वाधान में 16 जून को शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित वृद्धाश्रम में भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा। वहीं पूरे शहर सहित आस-पास के क्षेत्र में भव्य रूप से पंडित श्री मिश्रा का जन्म दिन भी मनाया जाएगा। तैयारियों को लेकर समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा और मनोज दीक्षित मामा सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

दो माह में गुड्स ट्रैफिक से 1022 करोड़ का राजस्व अर्जित किया

दीनबन्धु, जबलपुर
dinbandhunews.com

पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों के माल यातायात में निरंतर हो रही है। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल एवं मई यानि दो माह में 1022 करोड़ 92 लाख रुपए माल यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 929 करोड़ 75 लाख रुपए की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है।

तीनों मण्डलों में माल यातायात राजस्व इस प्रकार है :- जबलपुर मण्डल ने 691 करोड़ 29 लाख रुपए माल यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 620 करोड़ 93 लाख रुपए की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। भोपाल मण्डल ने 130 करोड़ 13 लाख रुपए माल यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। कोटा मण्डल ने 201 करोड़ 50 लाख रुपए माल यातायात से ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 172 करोड़ 43 लाख रुपए की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत अधिक है।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं :- मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि करके अलग-अलग रेल खण्ड की क्षमता में वृद्धि और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ाया। साथ ही साथ ऑपरेशनल सुधार भी किए गए। गुड्स टर्मिनल की वर्किंग में सुधार एवं मालगाड़ियों के डिटेंशन को कम किया गया। इससे मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आई और माल ढुलाई में वृद्धि हुई।

माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गईं । ए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल यातायात की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

महिला का अपहरण, जंगल ले जाकर किया रेप

पीड़िता की ननद को उठाने आए थे, गलती से उसे उठाया, 8 आरोपी गिरफ्तार

दीनबन्धु, गुना।
dinbandhunews.com

गुना में 20 साल की एक विवाहित महिला का अपहरण कर उसके साथ रेप करने का मामला सामने आया है। बदमाश महिला की ननद को उठाने आए थे, लेकिन गलती से उसे उठा ले गए। पुलिस ने इस मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला म्याना थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 9 जून की रात करीब 1 बजे 6 युवक उसके घर आए। दो नीचे आंगन में खड़े रहे, जबकि चार युवक छत पर आ गए। उन्होंने मेरे ऊपर हंसिया तान दिया। मुझे डराया, धमकाया और घसीटकर जंगल की ओर ले गए। महिला ने बताया कि जंगल में पहले से दो युवक मौजूद थे। उनकी बातचीत से पता चला कि वे मेरी ननद को उठाने आए थे, लेकिन अंधेरे में मुझे उठाकर ले गए। रास्ते में एक युवक ने किया रेप महिला ने पुलिस को बताया कि बदमाशों को जब पता चला कि वह मुझे गलती से उठा लाए है, तब तीन लोग मुझे वापस छोड़ने गए। इस दौरान रास्ते में एक युवक ने मेरे साथ जबरदस्ती की। पीड़िता ने आगे बताया मैं चिल्लाई, तो उसने मेरे मुंह पर मुक्का मारा और कपड़ा बांध दिया। धमकी दी कि अगर आवाज निकाली तो जान से मार दूंगा। फिर उसी ने मेरा रेप किया। बाकी दो लोग उसे रोकते रहे, बोले- सोनू ऐसा मत कर, लेकिन वह नहीं माना।

कलेक्टर सिंह ने किया कोलार तहसील न्यायालयों का निरीक्षण

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को तहसील कोलार कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील के तीनों कोर्ट - तहसीलदार, नायाब तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी कोर्ट का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने आरसीएमएस प्रकरणों का मिलान कर अधिकारियों को समय-सीमा में समस्त प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकरण विधिवत पंजीबद्ध हों, कोई भी प्रकरण बिना पेशी के ना हो तथा पारित आदेशों का तत्काल अमल कर खसरे में दर्ज करते हुए आवेदक को निःशुल्क प्रति प्रदान की जाए। रिकॉर्ड रूम की अव्यवस्थित स्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और नवीन तहसील कार्यालय भवन का निरीक्षण कर रिकॉर्ड रूम को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेरा प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई कर वसूली सुनिश्चित करने तथा उच्च न्यायालय एवं सिविल न्यायालय के प्रकरणों में समय पर जवाब/दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ब्यूरोक्रेट्स को लीडरशिप के गुर सिखाएगा आईआईएम इंदौर

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

अखिल भारतीय सेवा के अफसरों को आईआईएम इंदौर प्रशिक्षित करेगा। भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) द्वारा इंदौर के भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के सहयोग से 8 सितंबर से आईआईएम परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय सार्वजनिक क्षेत्र के शासन में रणनीतिक नेतृत्व (स्ट्रेटजिक लीडरशिप इन पब्लिक सेक्टर गवर्नेंस) होगा। डीओपीटी द्वारा सभी राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र में पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों को इससे संबंधित निर्देश जारी किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, आईआईएम इंदौर देश भर के आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों समेत अखिल भारतीय सेवा के अन्य अफसरों को पब्लिक सेक्टर में वर्किंग के लिए स्ट्रेटजिक लीडरशिप के गुर सिखाएगा। सितम्बर में शुरू होने वाले ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए एमपी समेत अन्य राज्यों में पदस्थ अफसरों को 29 अगस्त तक रजिस्ट्रेशन कराने को कहा गया है। एक साल का यह प्रोग्राम हाइब्रिड डिजाइन पर तैयार किया गया है।

ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए 29 अगस्त तक होगा रजिस्ट्रेशन

ऑफिसर फेंडली बताया जा रहा है प्रोग्राम

इस कार्यक्रम को इंटरनेशनल कम्पोनेंट के बिना ऑफिसर फ्रेंडली बनाया गया है। कार्यक्रम प्रशासनिक अफसरों को अनिश्चितता और अस्थिरता के भाव से निपटना सिखाएगा। दुनिया भर में बनने वाले माहौल के अनुसार अफसरों की एफिशिएंसी मजबूत करेगा। इसके आधार पर ट्रेनिंग लेने वाले अधिकारी लीडरशिप के दौरान सटीक निर्णय लेने और पब्लिक सेक्टर में गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने की रणनीति सीखेंगे। इसके लिए जो फार्मेट तय किया गया है उसके बाद अधिकारी डेवलपमेंट और बदलाव की प्रोसेस को सधे कदमों से आगे बढ़ाने, पॉलिसी इम्प्लीमेंट में मजबूती लाने और पब्लिक सर्विस डिलीवरी सिस्टम को शासन हित में मजबूती से लागू करने के फार्मूले सीख सकेंगे। यह प्रोग्राम बगैर किसी समझौते के शासन की पॉलिसी डिलीवरी करने के आधुनिक तकनीकों को भी बताएगा।

आईआईएम इंदौर करेगा कोआर्डिनेशन

कार्यक्रम का समन्वय और संचालन आईआईएम इंदौर के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाएगा। प्रोग्राम अटेंड करने वाले अफसरों को कार्यक्रम के अनुसार आवासीय या ऑनलाइन मोड में शामिल होने का मौका होगा। इसके लिए क्लासेस रोज सुबह 9 बजे से शाम 5-15 बजे के बीच कैम्पस में लगेंगी। वीकेंड में ऑनलाइन कक्षाएं लगेंगी। ट्रेनिंग लेने वाले अफसरों को प्रोग्राम के दौरान सेल्फ स्टडी, ग्रुप एक्टिविटी या फील्ड विजिट के लिए कार्य भी सौंपे जाएंगे। आईआईएम प्रशिक्षण को प्रभावी बनाए रखने के लिए व्याख्यान, केस-स्टडी, चर्चा, समूह गतिविधियों, क्षेत्र भ्रमण और तय पठन सामग्री का उपयोग करेगा।

एक करोड़ पौधे लगाने का लिया संकल्प और पेड़ बनने तक करे सुरक्षा

नगरीय क्षेत्रों को नगर वन से पर्यावरण के अनुकूल बनायें : एसीएस शुक्ला

हरित क्षेत्र के मामले में मध्यप्रदेश बने देश का मॉडल स्टेट

भोपाल में अमृत हरित महा अभियान पर हुई कार्यशाला

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने कहा है कि ब?ती आबादी के दबाव के कारण शहरों का पर्यावरण प्रभावित हो रहा है। जरूरत इस बात की है कि जन भागीदारी से हम शहरों में हरित क्षेत्र को ब?यें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पौधरोपण के साथ-साथ हम पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला शुक्रवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में अमृत हरित महा अभियान पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण जुड़ी गतिविधियों और पहल का प्रसार करना है। कार्यशाला में समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने कहा कि आगामी बारिश के मौसम के दौरान जिन चिन्हित स्थानों पर पौधरोपण होना है, वहां व्यापक स्तर पर तैयारी की जाये। श्री शुक्ला ने कहा कि शासकीय भवन परिसर, कॉलेज एवं स्कूल परिसर के आस-पास पौधरोपण किया जाये। उन्होंने कहा कि नगरों के कुल क्षेत्रफल का लगभग 20 से 25 प्रतिशत भाग समृद्ध हरित क्षेत्र होना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से जिन पेड़ों को आस्था के साथ लगाया जाता रहा है, हम उनको स्थानीय परिस्थिति के अनुसार ज्यादा संख्या में लगा सकते हैं। इनमें आम, जामुन, पीपल, नीम इत्यादि हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे काम करने वाले नगरीय निकायों को पुरस्कृत किये जाने की भी पहल की जाना चाहिए।

एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम

कार्यशाला में नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि वर्षा काल के दौरान प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में एक करोड़ पौधरोपण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापक पौधरोपण और वृक्षों की सुरक्षा की जिम्मेदारी शत-प्रतिशत जनभागीदारी से सफल हो सकती है। आयुक्त ने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा से जुड़ी 3 वर्ष की कार्य योजना बनाये जाना भी जरूरी है। आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक नगर परिषद में एक लाख, नगर पालिका में 5 लाख और नगर निगम में 15 से 20 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की जाये। औद्योगिक क्षेत्र की चर्चा करते हुए आयुक्त ने कहा कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में वर्षा काल के इस सीजन में 11 लाख पौधरोपण की योजना तैयार की गई है। इसी तरह की योजना मंडीदीप सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी बनाई जा रही है। आयुक्त ने कहा कि हमें अमृत मित्र तैयार करना होंगे, जो इस कार्य में सहयोग करेंगे।

विषय विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कार्यशाला में अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेड़े, आईआईएफएम के डॉ. योगेश दुबे ने शहरी अधोसंरचना में नीली-हरी अवसंरचना का प्रबंधन, एप्को के श्री रामरतन ने जलवायु परिवर्तन, एसपीए भोपाल के श्री सौरभ पोपली ने शहरी स्थल पर हरित प्रणाली, अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव ने पर्यावरण संरक्षण संबंधित कानून और प्रमुख अभियंता श्री प्रदीप मिश्रा ने नगर वनों के विकास की जानकारी दी। कार्यशाला में दिव्यांग पार्क और छिंदवाड़ा में आधुनिक पार्क पर केन्द्रित फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। रवीन्द्र भवन परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का बड़ी संख्या में नागरिकों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में खाद, बीज, उन्नत किस्म के पौधे, कृषि और उद्यानिकी के लिये उपयोगी यंत्रों का विक्रय एवं प्रदर्शन किया गया।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है वन अर्थ वन हेल्थ इस आधार पर होगा योग

योग से शरीर-मन-आत्मा का उपचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता हुई ऑनलाईन

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

अंतराष्ट्रीय योग दिवस की दसवीं वर्षगांठ पर योग को सभी के लिए आकर्षक, रूचिकर, सहज और मनमोहक बनाने के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नैचुरोपैथी, पुणे द्वारा विभिन्न गतिविधियां देशभर में आयोजित की जा रही है। इसी के अंतर्गत युवाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जिम्मेदारी संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेस फॉर वुमन को प्राप्त हुई है।

जिसके तहत मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल में कॉमन योगा प्रोटोकॉल आयोजित किया गया जिसमें लगभग 300 छात्राएं सम्मिलित होंगी। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी सभाजीत यादव एंव एनआईएन प्रतिनिधि के रूप् डॉ. गीता शर्मा एसोसिडेट प्रोफेसर मौजूद रही। मंच पर शहीद हेमू कालाणी ऐजूकेशनल सोसाइटी के सचिव धनश्याम बूलचंदानी व महाविद्यालय के निदेशक हीरो ज्ञानचंदानी एंव प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अंकेश सिंह भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एंव आभार प्रदर्शन प्राचार्य द्वारा किया गया । अपने उद्बोधन में डॉ. गीता शर्मा ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम है वन अर्थ वन हेल्थ इस आधार पर योग को आर्कषित व रोचक बनाने के लिए एनआईएन की बहुत सारी गतिविधियॉ अलग-अलग शहरों में आयोजित की जा रही है, संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज की प्रशंसा करते हुआ कहा कि इस महाविद्यालय की छात्राएं सभी जगह अपनी विशिष्ट पहचान बनाऐ हुए है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सभाजीत यादव अपने उद्बोधन में योग के यम और नियम का महत्व बताते हुए कहा कि यदि हम पूर्ण सम्पर्ण भाव से इसका पालन करते हैं तो प्रगति के और अग्रसर होते है। कार्यक्रम में छात्राओं के द्वारा संगीतमय योग प्रस्तुति भी की गई।

इसके अतिरिक्त महाविद्यालय द्वारा योगा अनप्लग्ड एक्टीविटी के अंतर्गत स्कूल तथा कॉलेज में अध्ययनरत युवाओं के लिए योग से संबंधित वीडियो निर्माण (रील निर्माण), सामूहिक योग प्रस्तुति जैसे योग पिरामिड और संगीतमय योग शामिल हैं और योग के माध्यम से शरीर-मन-आत्मा का उपचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता ऑनलाईन आयोजित की गई है। इसके साथ ही 16 जून 2025 को एम्स भोपाल के प्रोफेसर डॉ. वरूण मल्होत्रा द्वारा छात्राओं के लिए योग एवं ध्यान पर केन्द्रित विशेष कार्यशाला आयोजन किया जायेगा। इसी दिन छात्राओं के लिए रंगोली तथा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। विद्यार्थियों के योग से संबंधित ज्ञान को परखने के लिए कल 14 जून को प्रश्नोत्री होगी। साथ ही कल 14 जून 2025 को महाविद्यालय के भव्य सभागार में योग आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की जायेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ. अंकेश सिंह) ने इस कार्यक्रम में ब?ी संख्या में युवाओं तथा सामान्य लोगों से सहभागिता करने का आह्वान किया है।

बीडीए का बाबू दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नामांतरण कराने के एवज में मांगी थी रिश्वत, अटका रखा था काम

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के बाबू को लोकायुक्त ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। फरियादी ने 4 महीने पहले अपने मकान के नामांतरण का आवेदन दिया था। बाबू बिना रिश्वत लिए नामांतरण नहीं होने दे रहा था। तंग आकर युवक ने लोकायुक्त को लिखित शिकायत की।

शिकायत की जांच के बाद शुक्रवार दोपहर ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बैरसिया रोड निवासी घनश्याम राठौर ने आवेदन देकर बताया कि बीडीए का बाबू शहाब उद्दीन सिद्दीकी उनके मकान के नामांतरण के एवज में फीस से अतिरिक्त दस हजार रुपए देने की मांग कर रहा है।

मांग पूरी नहीं करने पर चार महीने से उनके काम को अटका रखा है। शिकायत की जांच के बाद शुक्रवार को आरके सिंह उप पुलिस अधीक्षक की टीम ने आरोपी को ट्रेप कर लिया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

फ्रांस के साथ पर्यटन क्षेत्र में एमओयू, सीएम यादव से मिले राजदूत

दीनबन्धु ■ भोपाल
www.dinbandhunews.com

मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच संस्कृति-पर्यटन क्षेत्र में शुक्रवार को त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. थिएरी मथौ, पर्यटन और संस्कृति के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला और अलायंस फ्रांसेज डी. भोपाल के अध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता अगले 3 साल के लिए वैध होगा और आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

अब यह मध्यप्रदेश को भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन सहयोग का नया केंद्र बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और फ्रांस के साथ संबंध हमेशा से अच्छे रहे हैं। मध्यप्रदेश फ्रांस के साथ सांस्कृतिक संबंधों के साथ व्यापारिक संबंधों के लिए भी तत्पर है। उनकी आगामी माह फ्रांस यात्रा प्रस्तावित है। भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक विकास की दृष्टि से, उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और शिल्प कलाओं को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर कार्य किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को न केवल देश की सांस्कृतिक राजधानी बल्कि एक प्रगतिशील, वैश्विक पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की हमारी दूरदृष्टि को साकार करता है। इससे प्रदेश के कलाकारों को वैश्विक मंच मिलेगा और फ्रांस तथा यूरोप से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राजदूत ने कहा-नए अवसर खुलेंगे

भारत में फ्रांस के राजदूत डॉ. मथौ ने इस साझेदारी पर कहा कि हमें मध्यप्रदेश सरकार के साथ इस महत्वपूर्ण सहयोग को स्थापित करते हुए खुशी हो रही है। फ्रांस मुख्य रूप से पर्यटन, सुरक्षा, पर्यावरण और शिक्षा पर विशेष रूप से कार्य करता है। यह एमओयू दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक कूटनीति को और मजबूत करेगा। जिससे कला, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

उपनिषद की तरंग जैसी है जन-परिषद : इंटरनेशनल मॉडल विद्या पटेल

युवाओं को संस्कारी बनाना समाज की जिम्मेदारी: एयर मार्शल श्रीवास्तव

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhun

अग्रणी संस्था जन-परिषद के समारोह में एयर मार्शल प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि युवाओं को संस्कारी बनाना समाज की जिम्मेदारी है। नये युग के बच्चों को छोटे-छोटे संस्कार देकर उज्ज्वल भविष्य और नये भारत का निर्माण किया जा सकता है। वे जन-परिषद सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। सम्मान समारोह में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।

बी यूनिक इंटरनेशनल मिसेस दुबई, मोस्ट पापुलर फेस ऑफ आबूधाबी, लोकप्रिय रनवे मॉडल एवं एक्ट्रेस सुश्री विद्या जोशी पटेल ने संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि उपनिषद सी है जन-परिषद संस्था। यह संस्था लोगों के द्वारा लोगों के लिये काम करती है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निर्भय श्रीवास्तव ने भी समारोह को संबोधित किया। वरिष्ठ साहित्यकार श्री जीवन सिंह रजक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सामाजिक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। इस तरह की संस्थाएँ नई पीढ़ी को परम्पराएँ सिखाती हैं। संस्था के उपाध्यक्ष श्री एस.के. मिश्रा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सामाजिक सरोकार से जुड़ी यह संस्था समाज की बुराइयों को दूर करने का निरंतर प्रयास करती आ रही है। कार्यक्रम में श्री जी.पी. श्रीवास्तव ने बताया कि जन-परिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर संस्था की शुरूआत की।

कार्यक्रम में व्यंग्य संग्रह ÷व्यंग्य भए क्वारंटाइन'' और जन-परिषद की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री रामजी श्रीवास्तव और आभार प्रदर्शन अजय श्रीवास्तव 'नीलू' ने किया। समारोह में सुश्री विद्या जोशी पटेल को ब्यूटी ब्रिलिएंट ऑफ एशिया सम्मान, एडिशनल एस.पी. श्रीमती कमला रावत को लक्ष्मी रायकवार स्मृति सम्मान, श्रीमती भावना डेहरिया को प्रिन्सेस ऑफ हाइट सम्मान, डॉ. प्रवीण दाताराम को माँ प्रभा देवी सम्मान, डॉ. निर्भय श्रीवास्तव को राजकमल एक्सीलेन्सी सम्मान से सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार श्री जीवन सिंह रजक को कवि प्रदीप चौबे सम्मान, एडवोकेट श्री मनीष त्रिपाठी को जस्टिस पी.के. तारे सम्मान, शरद फाउण्डेशन को कुलभूषण दिल्लौरी सम्मान, श्री रऊफ खान लाला को के.के अग्निहोत्री सम्मान दिया गया। श्रीमती तृप्ति शिन्दे मिसेस यूनिवर्स को चार्मिंग पर्सनालिटी, रागिनी द्विवेदी लखनऊ मिस इंडिया को फोटोजेनिक पर्सनालिटी और दिव्या चौधरी भोपाल मिसेस इंडिया को लुमिनस आइस से नबाडा गया। अप्रिशिएसन के लिए श्री जितेन्द्र पुरोहित, श्री अंकलेश्वर दुबे (अन्नी भैया) और श्रीनवीन पालीवाल को सम्मानित किया गया।वेस्ट चैप्टर के लिये आष्टा, दमोह और मुलताई की जन-परिषद संस्था को सम्मान दिया गया। सर्वश्री राजेश गुप्ता, विनोद श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव 'नीलू' और दुर्गेश रायकवार को भी उनके कार्यों की सराहना के लिये सम्मानित किया गया।

रेगुलर, नॉन रेगुलर एम्प्लाई की डेटा एंट्री जांच जारी, पकड़ी गड़बड़ी

स्टेट फाइनेंसियल इंटेलिजेंस सेल करती है पैसों के लेन-देन की मॉनिटरिंग

दीनबन्धु ■ भोपाल www.dinbandhunews.com

प्रदेश में 45 हजार कर्मचारियों अधिकारियों का 4 माह से वेतन नहीं निकाले जाने के मामले में राज्य सरकार ने कोषालय अधिकारियों को डेटा टेस्टिंग के निर्देश दिए हैं। इसका खुलासा एसएफआईसी (स्टेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस सेल) ने किया था जिसके बाद सरकार सतर्क हुई है और अब प्रदेश के नियमित और दैनिक वेतन भोगी, स्थायी, संविदा व आउटसोर्स, नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डेटा का परीक्षण आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है। आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समय-समय पर पत्र लिखकर डेटा की पुष्टि के लिए निर्देश दिए गए हैं।आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय के अंतर्गत एक राज्य वित्तीय इंटेलिजेंस सेल (एसएफआईसी) संचालित है जो नियमित अंतराल पर कोषालय के डेटा का एनालिसिस करता है। इसमें कर्मचारियों के वेतन आहरण की मॉनिटरिंग भी की जाती है। इस सेल द्वारा ऐसे 45 हजार कर्मचारियों के कर्मचारी कोड के डेटा का विश्लेषण किया गया जिनके पिछले चार महीनों से वेतन का आहरण कोषालय सॉफ्टवेयर से नहीं किया गया। इसलिए ऐसे कर्मचारियों की डिटेल का सत्यापन कोषालय अधिकारियों के माध्यम से संबंधित डीडीओ से कराए जाने के लिए आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा निर्देश जारी किए गए। यह कहा गया है कि यह एक निरंतर प्रक्रिया है जो समय-समय पर आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय द्वारा की जाती है।

वेतन न निकालने की वजह के साथ करें एंट्री

अफसरों के अनुसार माह दिसंबर 2024 के डेटा का परीक्षण कर पाया गया कि ऐसे कर्मचारी हैं जिनके एम्प्लाई कोड आवंटित हैं किंतु सेवानिवृत्ति तिथि की एंट्री नहीं हुई है। आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में एग्जिट प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है, फिर भी चार माह से वेतन नहीं लिया जा रहा है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संबंधित डाटा प्रदान कर 15 दिन में कारण सहित एंट्री कराई जाए कि उनके द्वारा वेतन किस कारण से नहीं निकाला जा रहा है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से प्राप्त जानकारी को कार्यालय आयुक्त कोष-लेखा को अवगत कराया जायेगा।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी दिनेश शर्मा द्वारा ह.न.3,पारस नगर बैरसिया रोड, फैस- II ,करोंद-जिला भोपाल 462038 (म.प्र) से प्रकाशित तथा उमा प्रिंटर्स ओल्ड पोस्ट आफिस जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित।
सम्पादक: दिनेश शर्मा, कार्यकारी संपादक चंद्रहास शुक्ल । (सभी प्रकार के विवादों का निपटारा न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मोबाइल नम्बर 9425028578